॥ श्री हरि शरणम् ॥

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 299

रायसेन

मंगलवार, 28 अप्रैल 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

खास बात

भगवान श्री कृष्ण ने कहा मनुष्य को फल की इच्छा छोड़कर अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि मनुष्य जैसा कर्म करता है, उसे फल भी उसी के अनुरूप मिलता है। इसलिए व्यक्ति को अच्छे कर्म करते रहना चाहिए।

- श्रीमद्भगवद्गीता

खरगोन में सरपंच पति 8 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

खरगोन। लोकायुक्त संगठन की इंदौर टीम ने सोमवार को खरगोन जिले की ग्राम पंचायत भोमवाड़ा में सरपंच के पति को 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस मामले में पंचायत सचिव की भूमिका भी सामने आई है, जिसे सह-आरोपी बनाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम भोगवाड़ा निवासी कविता यादव ने लोकायुक्त को शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उसने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत राशि की अगली किश्त जारी करने के लिए पंचायत सचिव जितेंद्र सिंह पंवार और सरपंच पति चिंताराम भोमारे 8 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। आवेदिका को योजना के तहत कुल 1.25 लाख रुपये मंजूर हुए थे, जिसमें से 25 हजार और 40 हजार रुपये की दो किश्तें पहले ही मिल चुकी थीं। शेष 65 हजार रुपये जारी करने के एवज में आरोपियों ने घूस की मांग की। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में ट्रैप दल गठित किया गया। कार्रवाई के दौरान सरपंच पति चिंताराम भोमारे को आवेदिका से 8 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। मौके पर मौजूद पंचायत सचिव को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7 और बीएनएस 2023 की धारा 61(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक आनंद चौहान सहित लोकायुक्त टीम शामिल रही। लोकायुक्त संगठन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी किसी भी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो तुरंत शिकायत करें, ताकि ऐसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

तीन दिनों की गिरावट के बाद संभला शेयर बाजार, निवेशकों पर बरसे 6.77 लाख करोड़

मुंबई ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया तनावों के बीच वैश्विक बाजारों में मजबूती और भू-राजनीतिक माहौल में सुधार और भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुए ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के चलते पिछले लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में हरियाली देखने को मिली और घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए।

इन सबके बीच ओवरऑल क्षस्श्व पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज 6.77 लाख करोड़ बढ़ गया है यानी निवेशकों की दौलत में 6.77 लाख करोड़ का इजाफा हुआ है। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.42 अंकों यानी 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,303.63 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 194.75 (0.81 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 24,092.70 पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 76,856.05 पर खुलकर 563.99 अंक बढ़कर 77,420.04 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 23,945.45 पर खुलकर 185.25 अंक चढ़कर 24,130.70 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

निफ्टी 50 पैक में सन फार्मा, टेक महिंद्रा, विप्रो, अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एसबीआई लाइफ, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक, एमएंडएम और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे।

निफ्टी, बेंचमार्क इंडेक्स कमजोर रहा

व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.90 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 1.47 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी आईटी और निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल में 2 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी एफएमसीजी ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज का प्रदर्शन बेंचमार्क इंडेक्स से कमजोर रहा।

विधानसभा के विशेष सत्र में जमकर हुआ हंगामा, कांग्रेस का वाकआउट

नारी-शक्ति वंदनः 'महिलाओं का हक कांग्रेस ने रोका' : मुख्यमंत्री

विपक्ष ने कहा- अभी लागू करो 33% आरक्षण, परिसीमन का इंतजार क्यों?

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में 'नारी शक्ति वंदन' पर चर्चा के बीच मुख्यमंत्री मोहन यादव के बयान और उस पर विपक्ष के तीखे जवाब ने सियासी माहौल गरमा दिया है। सीएम ने जहां कांग्रेस पर महिलाओं का हक रोकने का आरोप लगाया, वहीं विपक्ष ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर नीयत साफ है तो 33% आरक्षण तुरंत लागू किया जाए, परिसीमन का इंतजार क्यों।

सीएम बोले-कांग्रेस ने ठोस कदम नहीं उठाए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन की शुरुआत सांस्कृतिक संदर्भों से करते हुए महिला शक्ति के महत्व पर जोर दिया, लेकिन जल्द ही उन्होंने कांग्रेस पर सीधा हमला बोल दिया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए।

सीएम ने कहा कि इतिहास में कई बार ऐसे मौके आए, जब महिलाओं को बराबरी देने के फैसले लिए जा सकते थे, लेकिन परिसीमन को रोककर और संवैधानिक बदलावों के जरिए उनके अधिकारों का रास्ता रोका गया। उन्होंने इसे 'आधी आबादी के साथ अन्याय' करार देते हुए कहा कि इसका जिम्मेदार कांग्रेस का राजनीतिक रवैया है।

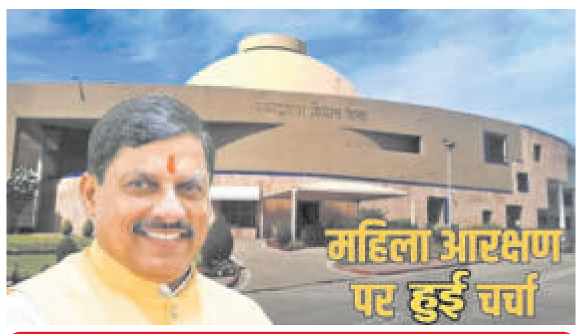

ट्रैक्टर लेकर पहुंचे विधायक को गेट पर रोका, हंगामा

'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। महिला आरक्षण के मुद्दे पर असहमति जताते हुए कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। वहीं, सत्र की शुरुआत से पहले कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर विधानसभा पहुंच गए, जिन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक लिया। इस दौरान पुलिस और विधायक के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

कांग्रेस विधायक बरैया के बयान पर हंगामा, सत्तापक्ष ने जताया कड़ा विरोध

विशेष सत्र में महिला आरक्षण और नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के 'महिलाएं 2000 वर्षों से पैरों की जूती बनी रही' वाले बयान पर जमकर हंगामा हुआ। इसको लेकर सत्तापक्ष ने कड़ा विरोध जताया। बरैया ने भाजपा पर महिलाओं को आरक्षण देने की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि समाज में महिला और पुरुष गाड़ी के दो पहिए हैं, लेकिन एक पहिया अब भी पिछड़ा हुआ है, जिस पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। बरैया ने कहा कि महिलाएं सदियों से सामाजिक रूप से दबाई जाती रही हैं और इस मानसिकता को बदलना जरूरी है। बरैया ने आगे कहा कि महिला पिछले 2000 वर्षों से पैरों की जूती बनी आ रही हैं, कांग्रेस तो अभी 150 साल पुरानी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने भाषण में यह भी कहा कि बिना संविधान संशोधन और परिसीमन के महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का रवैया हमेशा विरोध का रहा है- सत्ता में रहते हुए भी और विपक्ष में रहते हुए भी।

नेता प्रतिपक्ष ने पूछा-कब लागू करेंगे ये बताओ?

इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को घेरते हुए कहा कि महिला आरक्षण को लेकर सरकार स्पष्ट जवाब दे कि इसे लागू कब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज आरक्षण चाहती हैं, 2029 या 2047 में नहीं। अगर सरकार की मंशा साफ है तो मौजूदा व्यवस्था में ही इसे लागू किया जाना चाहिए।

नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाइवे पर हादसा

टवेरा-ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने हुई भिड़ंत, 5 की मौत

नर्मदापुरम ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाइवे पर आंचलखेड़ा के पास रविवार देर रात टवेरा और अनाज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में टवेरा सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 6-7 लोग घायल हुए हैं।

यह हादसा रविवार देर रात करीब 1 बजे हुआ। पीड़ित महेंद्रवाड़ी व माखननगर के रहने वाले हैं। सभी गांव के राघनेद्र मोरप्पा की शादी में बुधनी गए थे। सभी लोग रात में महेंद्रवाड़ी लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही अनाज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी वाहन की भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि क्रॉसिंग के दौरान टवेरा ट्रॉली के साइड से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टवेरा के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों और राहगीरों की मदद से पुलिस ने घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। हादसे की खबर मिलते ही जिला अस्पताल में परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ लग गई। फिलहाल शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। शवों का पोस्टमॉर्टम आज सोमवार को नर्मदापुरम में किया जाएगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ये समा गए काल के गाल में

- शुभम मोरप्पा उम्र 18 वर्ष, निवासी महेंद्रवाड़ी
- विनीत यादव उम्र 22 वर्ष, निवासी महेंद्रवाड़ी
- साहिल यादव उम्र 19 वर्ष, निवासी महेंद्रवाड़ी
- हरि सिंह उम्र 57 वर्ष, निवासी महेंद्रवाड़ी
- संतोष प्रजापति, निवासी माखननगर।

अंतर्मना उवाच

दूसरों की सफलता की कहानी.. आपकी सफलता की कहानी नहीं बन सकती..!

हमने कभी उनके जैसे बनने की कोशिश नहीं की, क्योंकि उनके जैसे बनने में बनावटीपन है, नकल है, सब कुछ उधार है। ***भगवान ने हमें आठ किलो का दिमाग*** *गोबर से नहीं, बल्कि कलाकंद से भरकर दिया है। अब अगर हम ही उसे बेकार कर दें, तो इसमें परमात्मा का क्या दोष..?*

हर इंसान में कुछ अच्छी आदतें होती हैं, तो कुछ बुरी भी। *ये बुरी आदतें हमारी सफलता में बाधक बन सकती हैं। बुरी आदतें सिर्फ खाने-पीने या किसी व्यसन तक सीमित नहीं होती... ये ज्यादा बोलने की, गुस्सा करने की, खराब व्यवहार की, चुगली करने की या लोगों को लड़ाने-भिड़ाने की भी हो सकती है।*

परतापुर, ज़िला- बांसवाड़ा (राजस्थान) खुले आसमान में भरी दोपहर के 12:30 बजे, 42 डिग्री तापमान में, तपस्वी सम्राट, अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज सामायिक करते हुए। सूरज की तपिश से धरती तप रही है, पर उनकी साधना अडिग है। न छाँव, न आसन, केवल आत्म-लीनता। पसीने की बूंदें भी मानो तप का अभिषेक कर रही हो...

यदि छोटी-सी बुरी आदत पर ध्यान नहीं दिया जाए, तो यह आपकी व्यक्तित्व और प्रबंधन क्षमता पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। ***एक छोटी-सी बुरी आदत भी आपके जीवन की उन्नति में बाधा बन सकती है।***

इससे बचने के लिए ***चार बातें –***

(1) बात-बात पर बहस न करें, न लड़ाई-झगड़ा करें, न किसी की बुराई करें। मन को सरल रखें और समस्याओं का शांतिपूर्वक समाधान करें।

(2) भावावेश में आकर कोई निर्णय न लें। अपनी असफलताओं पर विचार करें... क्या खोया और क्यों मन की शांति व चेहरे की प्रसन्नता चली गई..?

(3) दूसरों पर दोषारोपण न करें। अपनी असफलताओं से सीखें, वर्तमान स्थिति को समझें और उससे बेहतर करने का साहस रखें।

(4) अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए कदम बढ़ाते रहें। आत्मविश्वास को कभी कमजोर न होने दें...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

उप्र का सबसे बड़ा औद्योगिक हब बनेगा गंगा एक्सप्रेसवे कल प्रधानमंत्री मोदी देंगे 47 हजार करोड़ की सौगात

लखनऊ ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। प्रदेश के महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे को अब केवल एक सड़क परियोजना तक सीमित न रखते हुए इसे 'एक्सप्रेसवे-सह-औद्योगिक गलियारा' मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 29 अप्रैल को इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का उद्घाटन करने जा रहे हैं। इस पहल से न केवल सूबे में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि रोजगार और आर्थिक गतिविधियों की एक नई लहर भी देखने को मिलेगी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इस 594 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे को एक विशाल औद्योगिक हब में बदलने की पुख्ता रणनीति तैयार की है। इसे एकीकृत विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर के रूप में आकार दिया जा रहा है ताकि प्रदेश में मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को नई दिशा मिल सके। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने इस महात्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए एक्सप्रेसवे के किनारे 6,507 एकड़ भूमि की पहचान कर ली है। इससे उद्योगों को न सिर्फ शानदार कनेक्टिविटी मिलेगी।

यूपी के इन 12 जिलों की चमकेगी किस्मत

यह विशाल औद्योगिक गलियारा राज्य के 12 जिलों की आर्थिक तस्वीर बदलने वाला है। यह मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज को कवर करेगा। हर जिले में विकसित होने वाले औद्योगिक नोड को वहां की भौगोलिक स्थिति और स्थानीय औद्योगिक क्षमता के अनुसार ही डिजाइन किया गया है। सरकार की कोशिश है कि इसके जरिए वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स का संतुलित विकास हो सके।

पश्चिम बंगाल विस चुनाव के अंतिम चरण का प्रचार थमा, 29 अप्रैल को होगा मतदान

नई दिल्ली/कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार सोमवार शाम थम गया। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा की बाकी 142 सीटों पर बुधवार (29 अप्रैल) को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। प्रथम चरण के 23 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान कई मतदान केंद्रों पर हिंसा को देखते हुए इस बार सुरक्षा के और कड़े प्रबंध किए गए हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक इस चरण में कोलकाता, हावड़ा, नादिया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली और पूर्व बर्धमान की सीटों पर मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में लगभग 40 हजार मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चरण में कई संवेदनशील क्षेत्र भी शामिल हैं, जिसके चलते चुनाव आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती है। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कुल 2,348 कंपनियां तैनात की जाएंगी। इनमें सबसे अधिक 507 कंपनियां उत्तर 24 परगना जिले में तैनात होंगी।

बांग्लादेश से सटी लंबी तटीय सीमा और सुंदरबन क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना जिलों में तटीय गश्त और सुरक्षा निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने सीमा क्षेत्रों में विशेष चौकसी और सुरक्षा बंदोबस्त किए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पीएम मोदी ने बैरकपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दो बड़े रोड शो किए। पहला बेहाला थाना से मंटन तक और दूसरा हुगली के चंदननगर बागबाजार क्षेत्र में आयोजित किया गया। रोड शो के दौरान अमित शाह ने राज्य सरकार पर निशाना साधा और भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में समर्थन मांगा।

सीएम ममता बनर्जी ने भी जादवपुर और टॉलीगंज के प्रत्याशियों के समर्थन में जादवपुर के सुकांत सेतु से जनसभा मार्च में हिस्सा लिया।

पीएम ने कहा- भय बहुत हुआ, अब भरोसा चाहिए

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यवासियों के नाम एक पत्र और एक ऑडियो संदेश जारी किया है। बता दें कि, राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को मतदान होगा और इसके नतीजे 4 मई को जारी होंगे। पश्चिम बंगाल के पूरे चुनाव अभियान के दौरान मुझे अपने परिवारजनों का जो अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला है, उसने एक नई ऊर्जा से भर दिया है। यहां की युवाशक्ति हो या नारीशक्ति, हमारे किसान भाई-बहन हों, श्रमिक या फिर कारोबारी, सभी 'विकसित बंगाल' के लिए संकल्पित हैं। मैंने इस पत्र में उनके प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता

दोनों देशों ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए, इसके तहत न्यूजीलैंड को होने वाले 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर टैरिफ छूट मिलेगी। वहीं, न्यूजीलैंड से भारत आने वाले 95 प्रतिशत सामान पर टैरिफ में छूट दी गई है या फिर टैरिफ कम कर दिया गया है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके न्यूजीलैंड समकक्ष टॉड मैक्ले की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। 16 मार्च, 2025 को शुरू हुए इस मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ने रिकॉर्ड नौ महीनों में संपन्न होकर दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय स्थापित किया है। इस समझौते के तहत भारत को सभी टैरिफ उत्पादों पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। यह न्यूजीलैंड द्वारा वर्तमान में भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 450 टैरिफ उत्पादों पर लगाए जाने वाले 10 प्रतिशत शुल्क से कम है, जिनमें वस्त्र और परिधान उत्पाद, चमड़ा और टोपी, चीनी मिट्टी के बर्तन, कालीन और वाहन एवं वाहन पुर्जे शामिल हैं।

इस मुक्त व्यापार समझौते में एक प्रावधान यह भी है कि न्यूजीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। यह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईयू) द्वारा भारत के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते में किए गए 100 अरब डॉलर के निवेश की 'प्रतिबद्धता' के समान है।

बारिश से पहले काम पूरा करने के निर्देश

बायपास पर अधूरे फ्लायओवर और अंडरपास से बढ़ रहे हादसे

इंदौर ▪ निसं

अर्जुन बड़ौद, झलारिया, एमआर-10 और रालामंडल में बन रहे फ्लायओवर में लगातार लेटलतीफी हो रही है। इसकी वजह से न सिर्फ ट्रैफिक जाम हो रहा है बल्कि हादसे भी बढ़ते जा रहे हैं। इन सभी वजह से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अपने निज निवास कार्यालय पर एनएचएआई द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में मुख्य रूप से फ्लायओवर और अंडरपास के कार्यों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। मंत्री ने निर्माण कार्यों की धीमी गति और बायपास पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम को लेकर सख्त रुख अपनाया।

समीक्षा के दौरान मंत्री सिलावट ने बायपास पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अधूरे निर्माण कार्यों और सर्विस रोड की खराब स्थिति के कारण वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों और सर्विस रोड के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत ठीक किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाइटिंग की व्यवस्था न होने और सर्विस रोड अधूरी रहने से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका निराकरण तत्काल अनिवार्य है।

बैठक में बताया गया कि अर्जुन बड़ौद में 1 किलोमीटर लंबी 6 लेन सड़क और 60 मीटर चौड़े अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में यहां डामरीकरण का कार्य प्रगति पर है। मंत्री ने निर्देश दिए कि रोड मार्किंग और लाइटिंग का काम जल्द पूरा कर इसे टेस्टिंग के लिए शुरू किया जाए। इसी प्रकार झलारिया और एमआर-10 पर निर्माणाधीन अंडरपास के कार्यों को बारिश का मौसम शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

इन सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा इनका औपचारिक लोकार्पण कराया जाएगा। इस समीक्षा बैठक के दौरान एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रवीण यादव, अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव और मंडल अध्यक्ष रवि वाजपेई मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बारिश से पहले नालों की सफाई के निर्देश दिए

सुबह से सड़कों पर एक्शन में दिखे निगम कमिश्नर

इंदौर ▪ निसं

इंदौर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और आगामी मानसून के दौरान जलभराव की संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए नगर निगम प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में सोमवार को नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने शहर की मास्टर प्लान वाली प्रमुख सड़कों और विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मैदानी स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नालों की सफाई और सड़क निर्माण को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

अधिकारियों से कहा समयसीमा में काम पूरे करें

निगम कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान कलाल कुई रोड, चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि होते हुए मच्छी बाजार रोड और गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार रोड तक का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को हिदायत दी कि मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को जल्द से जल्द बेहतर ट्रैफिक सुविधा मिल सके। उन्होंने विशेष तौर पर कलाल कुई मस्जिद रोड के निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने विभिन्न क्षेत्रों सहित पीलिया खाल नाले की वर्तमान स्थिति को भी देखा। मानसून के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए उन्होंने जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने और नालों की सफाई को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि मार्ग के शेष निर्माण कार्यों को भी शीघ्र समाप्त करने पर जोर दिया ताकि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यातायात का संचालन सुचारू रूप से हो सके और राहगीरों को आवागमन में किसी बाधा का सामना न करना पड़े।

यातायात के दबाव को कम करने के लिए कहा

गुटकेश्वर से सदर बाजार रोड के मध्य स्थित पुलिया के चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए निगम कमिश्नर ने इसे जल्द पूरा करने की बात कही। उनका मानना है कि इन प्रमुख परियोजनाओं के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों में ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा और वाहन चालकों के लिए आवाजाही सुगम होगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने मेघदूत गार्डन स्थित ट्रंप कंपोज्ड प्लांट और ट्रीटेड पानी हाइड्रेन का भी अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल और पराग अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बेमौसम बारिश से मिली राहत, फिर लौटी तेज गर्मी

इंदौर ▪ निसं

इंदौर में रविवार रात हुई बेमौसम बारिश ने शहरवासियों को गर्मी से थोड़ी राहत दी। रात का तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था और शनिवार रात के 28.2 डिग्री से तीन डिग्री कम था। शनिवार रात का तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 28.2 डिग्री सेल्सियस था।

रविवार को दिन में सूरज ने आग उगली, और पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया, जो आमतौर पर मई में ही देखा जाता है। शाम के समय अचानक काले बादलों ने शहर को ढक लिया और तेज हवाएं चलने लगीं। शहर के कई इलाकों में बारिश हुई और मौसम सुहाना हो गया। तेज हवाओं की गति 30 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रही।

बारिश ने वैवाहिक आयोजनों में थोड़ी अव्यवस्था तो पैदा की, लेकिन अधिकांश आयोजन प्रभावित नहीं हुए,क्योंकि रात को बारिश नहीं हुई। सोमवार सुबह से फिर गर्मी के तेवर लौट आए। सुबह साढ़े आठ बजे पारा 31.6 डिग्री तक पहुँच गया। घरों में पंखे और कूलर लगातार चल रहे हैं और लोग दिन के समय घरों से निकलने में बच रहे हैं।

गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए प्रशासन ने 30 अप्रैल तक पहली से आठवीं कक्षा तक के बच्चों की छुट्टी कर दी है।रविवार की रात की बारिश ने गर्मी को कुछ समय के लिए थाम लिया, लेकिन मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान फिर से बढ़ने की संभावना है।

पक्षियों हेतू दाना-पानी अभियान

उत्कर्ष, भावेश, लक्ष्य, सार्थक, आयुष, प्रिंश, वैभव लक्ष्मी नगर, इंदौर

सभी 85 वार्डों में बनेंगे हाईड्रेंट

निजी टैंकरों के पानी की भी होगी जांच

इंदौर ▪ निसं

नगर निगम का दावा है कि सभी वार्डों में टैंकरों को भरने के लिए हाईडेंट बनाए जाएंगे। साथ ही पानी की टंकियों पर कैमरे लगाने के साथ टैंकरों के पानी की जांच भी कराई जाएगी। भागीरथपुरा कांड के बाद निगम गंदे और दूषित पानी की समस्या को दूर करने के दावे लगातार करता रहा है। हालांकि अभी भी नागरिकों की शिकायतें जारी है, तो दूसरी तरफ एसटीपी प्लांटों से जो ट्रीटेड वॉटर हासिल हो रहा है उसे निगम ने झोनल कार्यालयों के माध्यम से उपलब्ध कराया है, ताकि निर्माण कार्यों, सर्विस सेंटरों और उद्यानों में इस पानी का इस्तेमाल किया जा सके।

भीषण गर्मी के साथ जलसंकट की स्थिति शहर में बढ़ती जा रही है, तो नगर निगम का कहना है कि साढ़े 400 एमएलडी नर्मदा का पानी बंटवाया जा रहा है, तो उसके साथ बोरिंगों से भी पानी मिल रहा है। वहीं टैंकरों को भरवाने के लिए हाईडेंट की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। निगम के जल समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू के मुताबिक, लगातार महापौर सहित सभी परिषद् सदस्यों की बैठक ली जा रही है और यह भी तय किया है कि प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक हाईडेंट की व्यवस्था हो, जिससे टैंकरों को भरने में आसानी रहे। वहीं पानी की टंकियों पर सुरक्षा के मद्देनजर यह भी तय किया जा रहा है कि सभी पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं, ताकि टंकियों पर भी निगाह रखी जा सके। दरअसल, कई जगह टंकियों में जानवरों के मरने से लेकर समय पर साफ-सफाई ना होने या अभी संभव है कि कोई मिलावट कर दी जाए, जैसी आशंका भागीरथपुरा के मामले में व्यक्त की जाती रही, लिहाजा अब सभी टंकियों को भी सर्विलेंस के दायरे में लिया जाएगा। श्री शर्मा के मुताबिक, पानी के नमूनों की जांच भी लगातार कराई जा रही है। बोरिंगों, तालाबों से लेकर जहां से भी शिकायत आती है वहां के पानी की जांच कराई जा रही है। अभी चूंकि सभी जगह बोरिंग भी सूख रहे हैं और टैंकरों की मांग बढ़ रही है, जिसके चलते टैंकरों की संख्या बढ़ाने के साथ निजी टैंकर संचालकों की सूची भी तैयार की जा रही है और उनके पानी की भी जांच की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भी निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्यों, सर्विस सेंटरों, उद्यानों में ट्रीटेड पानी का ही उपयोग किया जा सकेगा और कोई भी निजी व्यक्ति या संस्था निर्धारित शुल्क जमा कराकर सुविधा ले सकता है। इसके लिए 35 हाईडेंट भी स्थापित कर दिए हैं।

केन्द्रीय जेल में लोक अदालत, बंदियों के प्रकरणों का तुरंत निराकरण

इंदौर ▪ निसं

केन्द्रीय जेल में राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें जेल में बंद बंदियों के लंबित लघु आपराधिक प्रकरणों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर तुरंत निराकरण किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 13वें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अयाज मोहम्मद, वरिष्ठ खंड व्यवहार न्यायाधीश मुकेश गुप्ता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव शिवराज गवली मौजूद रहे। लोक अदालत के दौरान कई प्रकरणों का मौके पर ही निपटारा कर पात्र बंदियों को राहत दी गई।

इस दौरान न्यायाधीश अयाज मोहम्मद ने कहा कि लोक अदालत न्याय का सरल, सुलभ और त्वरित माध्यम है, जिससे न्यायालयों का भार कम होता है और पक्षकारों को शीघ्र व सम्मानजनक न्याय मिलता है।

चंदननगर से कालानी नगर के बाधकों को लेकर अंतिम नोटिस बंटना शुरू

इंदौर ▪ निसं

चंदननगर से कालानी नगर तक की सड़क को लेकर कई दिनों से चल रही सुनवाई पूरी होने के बाद अब नगर निगम ने पूरे क्षेत्र में अंतिम नोटिस बांटना शुरू कर दिए हैं। इस नोटिस के तहत बाधक निर्माण 15 दिनों में हटाने की मोहलत दी जाती है और उसके बाद निगम का अमला क्षेत्र में कार्रवाई करने पहुंचता है। नगर निगम द्वारा चंदननगर से कालानी नगर तक सड़क बनाए जाने को लेकर पिछले दिनों नपती और निशान लगाने की कार्रवाई की गई थी। उसके बाद वहां के रहवासियों ने सड़क की चौड़ाई को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद नगर निगम ने रहवासियों का पक्ष सुनने के लिए तमाम दस्तावेज को लेकर उन्हें झोनलों पर बुलवाकर सुनवाई शुरू की थी।

इसके बाद से वहां लगातार कई दिनों तक सुनवाई चलती रही, जो अब पूरी हो गई है। नगर निगम के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर के मुताबिक चंदननगर की सड़क के मामले को लेकर चल रही सुनवाई पूरी हो गई है और अब अंतिम नोटिस बांटने का काम चल रहा है। अंतिम नोटिस के तहत करीब दो सौ से ज्यादा रहवासियों को 15 दिनों में अपने मकान, दुकान के बाधक हिस्से हटाने को कहा गया है। उक्त समयावधि के बाद निगम द्वारा अपने स्तर पर बाधक निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

विवाद के बाद महिला एसीपी के पति लापता, सरकारी गाड़ी लेकर निकले

इंदौर ▪ निसं

इंदौर के आजाद नगर क्षेत्र में रविवार रात पारिवारिक विवाद के बाद एक महिला एसीपी के पति लापता हो गए हैं। वे रात में सरकारी जीप लेकर घर से निकल गए। जब महिला अधिकारी को चिंता हुई तो उन्होंने आजाद नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस सक्रिय हो गई। अफसरों ने उनकी लोकेशन ट्रेस की है। राजस्थान के एक ग्रामीण इलाके में लोकेशन मिलने के बाद वहां की पुलिस की मदद ली जा रही है। महिला एसीपी का

बंगला पीटीसी इलाके में है। रविवार रात उनके और उनके पति के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद पति कहीं चले गए। देर तक घर नहीं लौटने पर पत्नी को चिंता हुई और मामला पुलिस तक पहुंचा। नाराज पति घर से निकलते समय चाबी लेकर सरकारी जीप से चले गए।

बेंगलुरु से इंदौर आए विमान को डायवर्ट कर अहमदाबाद भेजा

इंदौर ▪ निसं

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल पर कल शाम बेंगलुरु से आया एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान उतर नहीं पाया। इसके बाद उसे डायवर्ट कर अहमदाबाद भेजा गया। इसका कारण विमान में ईंधन की कमी बताया गया है। फ्लाइट के डायवर्ट होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

विमानतल से मिली जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स-2014) बेंगलुरु से शाम 4.35 बजे इंदौर आती है। कल यह फ्लाइट शाम करीब 5 बजे इंदौर पहुंची। विमान में 163 यात्री सवार थे। पायलट ने विमान को लैंड करने का प्रयास किया, लेकिन खराब मौसम के चलते पहले प्रयास में विमान उतर नहीं पाया। इसके चलते पायलट ने विमान को दोबारा ऊपर उड़ा लिया। कुछ देर हवा में चक्कर लगाने के बाद रनवे पर दूसरे विमानों की आवाजाही में इस विमान को कुछ

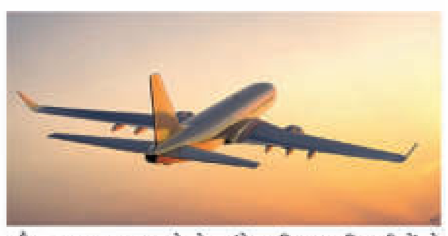

और समय तक रुकने के संकेत दिए। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान विमान में ईंधन कम होता देख और प्रतीक्षा का समय ज्यादा होने के चलते पायलट ने विमान को डायवर्ट कर अहमदाबाद ले जाने का फैसला लिया। शाम 5.17 बजे विमान को डायवर्ट कर अहमदाबाद ले जाया गया। विमान के अहमदाबाद जाने के बाद पायलट ने इसमें रिफ्यूलिंग कराई। इधर, इंदौर में मौसम साफ होने और रनवे खाली होने का संकेत मिलने के बाद यह फ्लाइट अहमदाबाद से शाम करीब 7.30 बजे रवाना होकर 8.30 बजे इंदौर पहुंची।

मोबाइल पर मिलेगा डिजिटल नक्शा

इंदौर में भूमि रिकॉर्ड और सीमाओं का हाईटेक बदलाव

इंदौर ▪ निसं

राजस्व रिकॉर्ड के साथ प्रदेश की अंतरराज्यीय सीमाओं का भी डिजिटलीकरण किया जा रहा है, ताकि विवाद तकनीकी आधार पर सुलझ सकें। इंदौर सहित प्रदेश का समूचा भूमि प्रबंधन अब ऑनलाइन उपलब्ध होगा और मोबाइल पर ही डिजिटल नक्शा भी प्राप्त हो जाएगा। भूमि अभिलेखों को आधार नम्बर से जोडने की कवायद भी की जा रही है और सभी राजस्व न्यायालयों को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म से लिंक कर दिया जाएगा। अभी हालांकि पोर्टल के माध्यम से खसरा-खतौनी के रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध हो रहे हैं। दूसरी तरफ 15 करोड़ से अधिक भू-अभिलेख को डिजिटल भी किया जा रहा है और डेढ़ करोड़ से अधिक दस्तावेजों की स्कैनिंग भी हो चुकी है। इंदौर नगर निगम से लेकर प्राधिकरण सहित कलेक्टर कार्यालय में भी अपनी सम्पत्तियों, जमीनों के रिकॉर्ड की स्कैनिंग करने के साथ उनके डिजिटल नक्शे तैयार किए जा रहे हैं, ताकि रिकॉर्ड गायब होने अथवा जलने से लेकर अन्य गड़बडियां रुकें

और जमीनी धोखाधड़ी में भी कमी आ सके। इन दिनों सम्पदा-2.0 पोर्टल के माध्यम से अचल सम्पत्तियों के दस्तावेजों का पंजीयन और रजिस्ट्री हो रही है, जिसके चलते रजिस्ट्री करवाते ही तुरंत उसकी पीडीएफ कॉपी व्हाट्सऐप और ई-मेल के जरिए मिल जाती है और ऑनलाइन यह रिकॉर्ड पंजीयन विभाग के पास दर्ज हो जाता है। अभी चरणबद्ध तरीके से पंजीयन विभाग भी रजिस्ट्रियों को डिजिटल कर रहा है और अभी 2000 से लेकर 2015 तक की रजिस्ट्रियां ऑनलाइन डाउनलोड करने की सुविधा दी गई है, तो पुरानी रजिस्ट्रियों को भी स्कैन किया जा रहा है। लगभग 50 लाख से अधिक मैन्युअल रजिस्ट्रियों के दस्तावेजों को डिजिटल कर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया जाएगा, ताकि एक ही जमीन की फर्जीवाड़े से रजिस्ट्रियां, धोखाधड़ी सहित अन्य गड़बडियां भी रुक सकेंगी। राजस्व विभाग का कहना है कि भूमि रिकॉर्ड का पूरा लेखा-जोखा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने का लगभग 98 फीसदी काम पूरा हो चुका है, जिसके चलते जनता को अपनी जमीन से जुड़ी जानकारी रियल टाइम ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेगी। सीमांकन के कारण भी विवाद लम्बित रहते हैं, जो अब डिजिटल मैप तैयार होने के चलते आसानी से सुलझाए जा सकेंगे। हालांकि यह योजना केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत ही शुरू की गई और इसमें कुछ समय लगा, जिसके चलते इसकी अवधि बढ़ाकर 2026 तक करना पड़ी।

आपके द्वारा इस गर्मियों में पंछियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की गई हो और सकोरे भी लगाए गए है जिसमें मैं प्रति दिन स्वच्छ पानी व दाने को रखता है जिससे पंछी आकर ग्रहण करते है। आप भी फोटो भेजकर इस मुहिम का हिस्सा बन सकते हैं।

प्रवीण साहू, 8815555243

भोपाल। गौ माता के सम्मान में शिवसेना एवं सभी सनातनी बंधुओं ने मैदान में गौ माता को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर शिवसेना प्रदेश प्रवक्ता मांगीलाल सैनी जिला प्रमुख कुलदीप तिवारी संजय सैनी रोशनी तिवारी बंशीलाल मराठा बबलु भाई दीपक चौरसिया आदि उपस्थित थे।

भोपाल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ राजीव गुप्ता नेमा समाज गौरव से सम्मानित

भोपाल ■ निसं

अखिल भारतीय नेमा वणिक समाज एवं नेमा युवक संघ जबलपुर के नेमा गौरव अलंकरण समारोह में भोपाल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ हमीदिया चिकित्सालय भोपाल में हृदय रोग विभागाध्यक्ष डॉ राजीव गुप्ता को चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान व समर्पण हेतु नेमा समाज गौरव अलंकार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान नेमा समाज भोपाल के लिए गौरव का विषय है इससे समाज को एक प्रतिष्ठा ही नहीं एक प्रभावी पहचान मिली है।

आवश्यक चिकित्सकीय कार्य के कारण व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम में शामिल नहीं होने पर नेमा समाज भोपाल के पदाधिकारियों द्वारा भोपाल में उनको सम्मानित किया गया तथा समाज हित में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों हेतु उनका समाज की ओर से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नेमा समाज भोपाल के संयोजक राकेश नेमा, सचिव नीतेश नेमा, उपाध्यक्ष प्रवीण गुप्ता, राजेन्द्र नेमा, मनोज नेमा उपस्थित रहे।

राजेश भट का अनिल माथुर ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया

आकाशवाणी भोपाल के आकस्मिक उद्घोषकों की नवगठित संस्था ध्वनि मित्र ने आकाशवाणी के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी राजेश भट का रविवार को अभिनंदन किया। राजेश भट को हाल ही सूचना आयुक्त बनाया गया है। ध्वनि मित्र के अध्यक्ष राज्य के जनसंपर्क संचालक रहे अनिल माथुर ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया और श्रीफल भेंट किया। विमल भंडारी ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। ध्वनि मित्र के सचिव प्रशांत सेंगर और अध्यक्ष अनिल माथुर ने उन्हें अभिनंदन पत्र सौंपा। अपने सम्मान के उत्तर में राजेश भट ने आकाशवाणी के साथियों की सद्भावनाओं के लिये कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि वे अपने नए दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करेंगे। इस अवसर पर संगीत और नृत्य के कार्यक्रम भी हुए और उन सदस्यों के जन्मदिन मनाये गये जिनके जन्मदिन पिछले चार महीनों के दौरान थे। उल्लेखनीय है कि इस तरह का कार्यक्रम प्रत्येक चार माह में आयोजित किया जाता है.इस मौके पर आकाशवाणी के पूर्व और वर्तमान आकस्मिक उद्घोषक, नमस्कार भोपाल, महिला सभा और ग्राम सभा के कार्यक्रमों के कंपेयर मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

छात्र ने जहरीला कीटनाशक खाकर की खुदकुशी

भोपाल। शहर के देहात में ईटखेड़ी क्षेत्र में रहने वाले एक बीकॉम के छात्र ने जहरीला कीटनाशक खा लिया जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहॅं छात्र ने बताया है की कि एक महीने बाद सेकंड एयर की परीक्षा है, इसके तनाव में आकर उसने यह कदम उठाया है। मिली जानकारी के अनुसार खजूरी में रहने वाला गगन ठाकुर पिता प्रहलाद सिंह (20) निजी कॉलेज में बीकॉम सेकंड एयर का छात्र था। शुक्रवार सुबह उसने खेतों में डालने वाली इल्लीमार दवा खा ली थी। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे बेसुध हालत में इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया, वहां गगन ने बताया कि उसने इल्लीमार दवा खा ली। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसके मृत्युपूर्व बयान दर्ज किए थे। जिसमें उसने बताया था, उसकी एक महीने बाद परीक्षा शुरू होने वाली है। वह उसकी ठीक से तैयारी नहीं कर सका है। इसी तनाव में आकर उसने जहर खाया है। पुलिस का कहना है कि बयान देने के दौरान युवक की हालत ठीक थी। शनिवार रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

बाइक पर टंगे बैग से जेवरात निकालकर ले भागा बदमाश

भोपाल। सागर से एक शादी समारोह में शामिल होने आए परिवार की बाइक पर टंगे बैग से अज्ञात बदमाश ने कीमती जेवरात चोरी कर लिए। घटना पीपुल्स अस्पताल की पार्किंग की है। सीसीटीवी कैमरे खंगालने पर एक युवक बैग से जेवरात निकालता नजर आया है। मामला कायम कर पुलिस फुटेज के आधार पर उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से सागर निवासी जमनाप्रसाद ने अपनी शिकायत में बताया की वह पेशे से खेती-किसानी करते हैं। यहाँ ग्राम सेमरा में रहने वाले उनके जीजा के परिवार में शादी होने के कारण जमना प्रसाद अपनी पत्नी और साली के साथ भोपाल आए हुए थे। 22 अप्रैल की दोपहर बच्चे की तबियत खराब होने पर जमना प्रसाद जीजा की बाइक से पत्नी और साली के साथ पीपुल्स अस्पताल पहुंचे।

पोषण आहार प्लांट बंद महिलाएं मजदूरी करने को मजबूर

1200 करोड़ की टेक होम राशन योजना पर मंडराया आर्थिक संकट

भोपाल ■ निसं

मप्र में 1200 करोड़ रूपए की टेक होम राशन व्यवस्था पर आर्थिक संकट मंडरा रहा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य ने सरकार ने प्रदेश में पोषण आहार प्लांट चलाने की जिम्मेदारी महिलाओं का दी थी। लेकिन निरंतर घाटे के कारण पोषण आहार प्लांट पर आर्थिक संकट इस कदर मंडराया है कि ये करीब तीन महीने से बंद पड़े हैं। सरकार का कहना है कि समूहों द्वारा संचालित सातों प्लांट सालाना 40-50 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रहे हैं और पिछले 4 वर्षों में कुल घाटा 300 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि मौजूदा प्लांट समय पर सप्लाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे हितग्राहियों तक राशन पहुंचने में दो-दो महीने की देरी हो रही है। इसका असर सह हुआ है कि इसमें काम करने वाल महिलाएं अब मजबूरी करने को मजबूर हैं।

गौरतलब है कि मंडला, सागर, नर्मदापुरम, देवास, धार, रीवा और शिवपुरी में 141 करोड़ रुपए की लागत से 7 प्लांट स्थापित किए थे। अब सवाल उठ रहा है कि इन प्लांटों में काम कर रही लगभग 5 लाख महिलाओं की आजीविका का क्या होगा क्या लखपति दीदी बनाने का वादा करने वाली सरकार उनसे रोजगार छीन लेगी इस पूरी प्रशासनिक खींचतान का सबसे दुखद पहलू यह है कि योजना अपने मूल उद्देश्य में ही विफल होती दिख रही है। सरकार पोषण आहार पर सालाना 1200 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर रही है, लेकिन बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के बजाय गिरावट देखी जा रही है।

आर्थिक संकट से जूझ रही महिलाएं

प्रदेश में पोषण आहार प्लांट चलाने वाली वे महिलाएं, जिन्हें 9 साल पहले स्वामित्व दिया गया था, अब आर्थिक संकट के चलते मजदूरी करने को मजबूर हैं। सागर की अनिता चौकसे ने बताया कि उनका प्लांट तीन महीने से बंद है, क्योंकि सरकार से पर्याप्त राशि नहीं मिल रही और वेंडरों का भुगतान नहीं हो पा रहा। देवास की दुर्गा के अनुसार उनका प्लांट 24 दिन तक बंद रहा और अब मुश्किल से शुरू हुआ है। मंडला की मनीषा परस्ते ने भी एक महीने से प्लांट बंद होने की जानकारी दी। स्थिति से नाराज महिला स्व-सहायता समूहों ने रविवार को तीनों स्थानों पर प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि घाटा पूरा करने के लिए 300 करोड़ रुपए की सहायता प्रस्तावित थी, लेकिन मामला कैबिनेट तक नहीं पहुंचने से मंजूरी अटक गई है।

महंगाई के कारण बढ़ा घाटा: जानकारी के अनुसार, महंगाई बढने् के कारण पोषण आहार प्लांट का घाटा बढ़ा है। वर्ष 2018-19 में छोटे बच्चों के लिए दिए जाने वाले राशन का दाम 8 रुपए और महिलाओं व किशोरियों को दिए जाने वाले राशन के लिए 9.50 रुपए दाम तय किए थे। यानि यदि स्वसहायता 10 करोड़ का माल तैयार करते थे तो सरकार 8 करोड़ देती थी। इससे करीब 2 करोड़ रुपए का घाटा इसमें हो रहा था। यह लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि सरकार ने रेट नहीं बढ़ाए।

हाल ही में 12 रुपए रेट किए हैं, लेकिन अभी यह मिलना शुरू नहीं हुआ। प्लांट बंद होने की बड़ी वजह यह है कि इन प्लांट पर जो सामग्री प्राइवेट सप्लायर भेज रहे थे, उन्होंने सप्लाई रोक दी है और कहा है कि पहले पुराना पैसा दो। जानकारी के अनुसार 7 प्लांट के ऊपर करीब 300 करोड़ रुपए की उधारी हो गई है। इस राशि का भुगतान करने के लिए मार्च महीने में कैबिनेट के लिए पंचायत विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन वह कैबिनेट में जा नहीं सका। इसमें लिखा गया था कि सातों प्लांट को करीब 239 करोड़ रुपए की हानि हुई है, जो अब तक बढकर् 300 करोड़ हो गई। जानकारी के अनुसार देवास प्लांट में 55.68 करोड़, धार प्लांट में 50.70 करोड़ , नर्मदापुरम प्लांट में 23.25 करोड़ , रीवा प्लांट में 35.70 करोड़ , मंडला प्लांट में 46.17 करोड़ , सागर प्लांट में 49.48 करोड़ , शिवपुरी प्लांट में 40.30 करोड़ का घाटा हुआ है।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के छात्रों ने किया सुप्रीम कोर्ट का भ्रमण

भोपाल ■ निसं

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज, विधार्थियों ने सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया नई दिल्ली का अवलोकन किया साथ ही राष्ट्रपति भवन का भी भ्रमण किया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को भारत की न्यायिक प्रणाली एवं संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराना था। छात्रों ने सर्वोच्च न्यायालय में विभिन्न न्यायालयों की कार्यवाही का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा की गई बहस, न्यायाधीशों की कार्यशैली तथा न्यायालय की गरिमा एवं अनुशासन को निकट से देखा।

छात्रों को रजिस्ट्री, वाद सूची प्रणाली एवं जनहित याचिकाओं की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अनुभव ने उन्हें संवैधानिक विधि, दंड प्रक्रिया संहिता एवं सिविल प्रक्रिया संहिता जैसे विषयों को व्यावहारिक रूप से समझने में सहायता की। इसके पश्चात छात्रों ने राष्ट्रपति भवन का भ्रमण किया जहाँ उन्होंने दरबार हॉल, अशोक हॉल तथा राष्ट्रपति भवन संग्रहालय का अवलोकन किया। विजिट के दौरान छात्रों को राष्ट्रपति के संवैधानिक कर्तव्यों, शक्तियों एवं संसदीय लोकतंत्र में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। भवन की स्थापत्य कला एवं ऐतिहासिक महत्व ने छात्रों में राष्ट्रीय गौरव की भावना जागृत की। छात्रों ने डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर एवं मेमोरियल का भी भ्रमण किया जिसमें छात्रों ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन यात्रा एवं संविधान निर्माण तक के पहलुओं को बारीकी से जाना।

इस दौरान आकाश पाटिल (डायरेक्टर, डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर,समाजिक एवं न्याय मंत्रालय गवर्नमेंट ऑफ इंडिया) से मुलाकात की जिन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन एवं उनके संविधान निर्माण में योगदान पर छात्रों का मार्गदर्शन किया। यह विजिट प्रो. (डॉ.) मुकेश कुमार साहू (डीन एंड डायरेक्टर, एल एन सी टी युनिवर्सिटी) के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में की गयी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सौम्या दुबे, करन तिवारी एवं दुर्गेन्द्र सिंह राजपूत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राजधानी में एक बार फिर थम सकते हैं लो फ्लोर बसों के पहिए

वेतन विवाद के कारण बस ऑपरेटरों ने दी काम बंद करने की चेतावनी

भोपाल ■ निसं

राजधानी में एक बार फिर लो फ्लोर बसों के पहिए थम सकते हैं, जिसका कारण तीन प्रमुख ऑपरेटरों और ड्राइवर-कंडक्टर के बीच वेतन व पुराने बकाया को लेकर शुरू हुआ विवाद है। कर्मचारियों ने अगले महीने से काम बंद करने की चेतावनी दी है। कर्मचारियों की इस चेतावनी का हवाला देते हुए भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के ऑपरेटरों ने संस्था से स्पष्ट कहा है कि अगले महीने से बसों का संचालन करना मुश्किल हो जाएगा।

कोई वैकल्पिक साधन उपलब्ध नहीं: भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के पास फिलहाल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का कोई वैकल्पिक साधन उपलब्ध नहीं है। टेंडर अवधि समाप्त होने के बावजूद ऑपरेटरों से सीएनजी से चलने वाली लो फ्लोर बसों का संचालन कराया जा रहा था। शहर में फिलहाल मुश्किल से 50 लो फ्लोर बसें ही संचालित हो रही हैं। यदि यह विवाद बढ़ता है, तो मई महीने में बसों का संचालन बंद हो सकता है। बताया जाता है कि भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड को सरकार ने स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी को सौंपने का निर्णय लिया है, लेकिन इसकी प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है। इससे पहले इलेक्ट्रिक बसें लाकर संचालन शुरू करने का दावा किया गया था, लेकिन अब तक इसका ढांचा तैयार नहीं हो सका है।

20 ई-बसें दौड़ाने की तैयारी: राजधानी में जल्द ही ई-बसें चलाने की तैयारी की जा रही है। पहले चरण में जून से 20 बसें सड़कों पर उतारी जाएंगी, जिससे शहरवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है। ई-बसों के लिए संत नगर में आधुनिक सुविधाओं से लैस डिपो बनाया जा रहा है, जिसकी लागत करीब 20 करोड़ रुपये है। निर्माणाधीन डिपो में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है।

रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना-2026, यात्रियों की कहानियों को मिलेगा सम्मान

भोपाल ■ निसं

भारतीय रेल केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि करोड़ों यात्रियों के अनुभवों, स्मृतियों और भावनाओं से जुड़ी एक जीवंत यात्रा है। इन्हीं अनुभवों को अभिव्यक्ति देने तथा उनके माध्यम से रेल सेवाओं को और अधिक यात्री-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा 'रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना-2026' का आयोजन किया जा रहा है। यह योजना अखिल भारतीय स्तर पर संचालित है और हिंदी भाषा में सृजनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस योजना के अंतर्गत प्रतिभागियों को आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार ?10,000, द्वितीय पुरस्कार ?8,000 तथा तृतीय पुरस्कार ?6,000 निर्धारित हैं। इसके अतिरिक्त, पाँच प्रतिभागियों को ?4,000 प्रत्येक के प्रेरणा पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इस प्रतियोगिता में देश का कोई भी नागरिक भाग ले सकता है।

प्रतिभागियों को अपने रेल यात्रा से जुड़े अनुभवों को हिंदी भाषा में मौलिक रूप से प्रस्तुत करना होगा। लेखन की शब्द सीमा न्यूनतम 3000 और अधिकतम 3500 शब्द निर्धारित की गई है। लेख डबल स्पेस में टंकित होना चाहिए तथा प्रत्येक पृष्ठ पर चारों ओर कम से कम एक इंच का मार्जिन रखा जाना आवश्यक है। सभी पृष्ठ क्रमांकित होने चाहिए। साथ ही, प्रविष्टि के साथ एक पृथक पृष्ठ पर शीर्षक 'रेल यात्रा वृत्तांत-2026' अंकित करते हुए लेखक द्वारा दिया गया उपशीर्षक, नाम (हिंदी एवं अंग्रेजी में), पदनाम, आयु, कार्यालय एवं निवास का पता, मातृभाषा, रेलवे फोन नंबर, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी तथा कुल शब्दों की संख्या स्पष्ट रूप से दर्शानी होगी।

प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियां सीधे रेलवे बोर्ड को भी प्रेषित कर सकते हैं। प्रविष्टि भेजने का पता है -सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा संख्या-316, कॉफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली-110002। इस योजना में भाग लेने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।

भारतीय रेल सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों से इस योजना में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह करती है।

शाला पूर्व शिक्षा पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय सेमिनार

भोपाल ■ निसं

महिला एवं बाल विकास विभाग और अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन द्वारा शाला पूर्व शिक्षा पर आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय सेमिनार (27 व 28 अप्रैल, 2026) ईसीई स्टेट रिसोर्स सेंटर, जवाहर बाल भवन, भोपाल में आयोजित किया जा रहा हैं। सेमिनार में फंदा पुराना शहर ब्लॉक की परिधि में आने वाली चारों परियोजनाओं - मोतिया पार्क, बरखेड़ी, चाँदबड़ व जेपी नगर से प्रथम दिन 20 कार्यकर्ताओं ने अपनी आंगनबाड़ियों में किए जा रहे विभिन्न तरह के नवाचारों को साझा किया। साथ ही लगभग 100 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों के सीखने के लिए शिक्षक सहायक सामग्री का निर्माण और प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर बाल भवन की निदेशक शुभा वर्मा एवं अज़ीम प्रेम जी फ़ाउंडेशन के राज्य प्रमुख अभिषेक सिंह राठौर और परियोजना अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

महिला मोर्चा आज 'नारी शक्ति वंदन' के समर्थन में निकालेगा मशाल जुलूस

महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग, विपक्ष को सिखायेंगी सबक-अश्विनी परांजपे

महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाकर देश की तस्वीर और तकदीर बदलने का बड़ा प्रयास था

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए लाए गए 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध महिलाओं के अधिकार और सम्मान का हनन है। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने संसद में इस अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध कर महिलाओं का अधिकार छीना है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाकर देश की तस्वीर और तकदीर बदलने का बड़ा प्रयास था, जिसे कांग्रेस और विपक्षी दलों ने पूरा नहीं होने दिया।

भोपाल ■ निसं

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में महिला मोर्चा 28 अप्रैल, मंगलवार को भोपाल में मशाल जुलूस निकालेगा। मशाल जुलूस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, मध्यप्रदेश शासन की महिला मंत्री, सांसद एवं विधायक बहनें, महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनें शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को महिला मोर्चा की बहनों ने विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही का अवलोकन कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझा। महिला नेत्रियों ने संकल्प लिया कि सभी बहनें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगी।

मशाल जुलूस में शामिल होंगे मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व पदाधिकारी बहनें : भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे ने कहा कि मंगलवार 28 अप्रैल को सायं 5 बजे महिला मोर्चा द्वारा भोपाल में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। मशाल जुलूस सोमवारा पुलिस चौकी से प्रारंभ होकर सुभाष चौक होते हुए लखेरापुरा पहुंचेगा। मशाल जुलूस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, मध्यप्रदेश शासन की महिला मंत्री, सांसद व विधायक बहनें, महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी। इस आयोजन के माध्यम से महिला मोर्चा यह संदेश देगा कि मध्यप्रदेश सहित देश की बहनें अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं और महिलाओं के अधिकारों में रोड़ा अटकाने वाले विपक्षी दलों को देश की नारी शक्ति सबक सिखाने को तैयार है।

प्रदेश में बढ़ रहा है अपहरण और सायबर ठगी के मामलों का आंकड़ा

हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों में दर्ज की गई कमी

भोपाल ■ निसं

प्रदेश में लड़कियों के अपहरण के मामले में बढ़ोतरी हुई है। बीते साल 12,582 लड़कियां किडनेप हुईं हैं। हालांकि हत्या और दुष्कर्म जैसे संगीन मामलों में कमी आई है। गौरतलब है कि प्रदेश में 2023 से 2025 के बीच राज्य में जहां हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों में कमी दर्ज की गई है, वहीं अपहरण और डकैती के बढ़ते मामलों ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अपराध का तरीका बदल रहा है। विशेषकर लड़कियों के अपहरण का आंकड़ा बढ़ रहा हैं। साल 2023 में जहां 10,631 लड़कियां अगवा हुईं, वहीं 2024 में यह आंकड़ा 11,436 और 2025 में 12,582 तक पहुंच गया। इसके अलावा डकैती के 2023 में 94 मामले दर्ज हुए थे, जो 2024 में 96 और 2025 में बढ़कर 102 हो गए। अपहरण और डकैती के बढ़ते मामलों के बीच हत्या और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में कमी आई है। जानलेवा हमले के मामले भी घटे हैं। आंकड़ो के अनुसार प्रदेश में हर घंटे साइबर संबधी आठ शिकायतें सामने आ रही हैं। बीते करीब पॉच सालो में डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिये होने वाले अपराधों ने सभी मामलों को पीछे छोड़ दिया है। साल 2021 में साइबर फ्रॉड के 13,768, साल 2022 में 20,053 साल 2023 में 52,846 साल 2024 में 68,578 और बीते साल यानि 2025 में 72 हजार से अधिक प्रकरण सामने आए हैं।

अनमोल वचन

अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है।
रीटा माए ब्राउन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

सम्पादकीय

ट्रंप का नरक कुंड वाला बयान, मोदी भाजपा पर भारी?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत को नरक कुंड बताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान ट्रंप का यह बयान आया। इस पर जो प्रतिक्रिया भारत की होनी थी, अभी तक नहीं हुई है। जिस तरह से सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह बयान तूल पकड़ रहा है। सोशल मिडिया में जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और हिंदू संगठनों को निशाने पर लिया जा रहा है। उससे आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी और हिंदूवादी संगठनों को जवाब देना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों पागलपन के एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें वह किसी के बारे में कुछ भी बोल देते हैं। उनकी बोली हुई बातों को दुनिया के देशों में गंभीरता से नहीं लिया जाता है। वह सुबह कुछ और बोलते हैं, शाम को कुछ और बोलने लगते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने टेरिफ को लेकर बार-बार अपने बयान बदले। ईरान युद्ध के दौरान अपने बयानों को बार-बार बदला। वह किसी के ऊपर कोई भी आरोप लगा देते हैं। जिस तरह की छवि डोनाल्ड ट्रंप की दुनिया में बन रही है, उसमें वह अमेरिका के राष्ट्रपति कम, सारी दुनिया के लिए एक गैंगस्टर के रूप में अपनी पहचान बनाते हुए दिख रहे हैं। भारत की संस्कृति लाखों वर्ष पुरानी है। भारत का अध्यात्म और भारत देवताओं की भूमि सारी दुनिया के देशों में अलग पहचान हमेशा से रही है। पृथ्वी में सात द्वीप हैं, उसमें सबसे अच्छा देवताओं वाला जम्मू द्वीप भारत में है। इस पवित्र भूमि को डोनाल्ड ट्रंप ने नरक कुंड बताकर हमारे करोड़ों देवी-देवताओं के साथ-साथ भारतवासियों का भी घोर अपमान किया है। इतने बड़े अपमान के बाद भी भारत के हिंदू सम्राट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केन्द्र में है, उन्हें सारे हिंदू संगठनों का समर्थन प्राप्त है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह से भारत का बार-बार अपमान किया जा रहा है। वह अब चरम पर पहुंच गया है। भारत में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया आम जनमानस के बीच हो रही है। आम जनता के बीच से यह प्रतिध्वनि निकलने लगी है। जब इतने बड़े पैमाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने हमारे सनातन धर्म, हिंदू संस्कृति और भारत का अपमान किया है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, हिंदू संगठनों के शंकराचार्य से लेकर महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर और अन्य धर्मगुरु चुप्पी साधकर क्यों बैठे हुए हैं? इससे बड़ा अपमान इसके पहले भारत का कभी नहीं हुआ था। जो हिंदू संगठन यहां बात-बात पर खाने में, पीने में और धार्मिक क्रिया-कलापों को लेकर हिन्दू धर्म की आस्थाओं पर विवाद खड़ा करते हैं। वह सब कहां चले गए? अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार नहीं, दो बार नहीं, कई बार भारत की अस्मिता और भारत को नीचा दिखाने के लिए तरह-तरह के बयान दिए। अमेरिका से भारतीयों को हथकड़ी-बेड़ी में भारत भेजा। अब तो हद हो गई, डोनाल्ड ट्रंप की हिम्मत इतनी बढ़ गई है, उसने भारत को ही नरक का कुंड बता दिया। हिन्दू धर्म एवं भारतीयों का इससे बड़ा और कौन सा आपमान हो सकता है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस जो भारतीय मूल की हैं। सुंदर पिचाई भारतीय मूल के हैं। ऐसे लाखों भारतीय अमेरिका में रह रहे हैं। कमला हैरिस को छोड़ दें, तो किसी ने भी ट्रंप के बयान को लेकर कोई नाराजी नहीं जताई। भारतीय मूल के लोगों ने ट्रंप का जिस तरह से अमेरिका के चुनाव के दौरान समर्थन किया। अबकी बार ट्रम्प सरकार के नारे लगाए गए। दूसरी बार जब राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रहे थे, तब भारत में ट्रंप के लिए हवन पूजन भारतीयों ने किया। जो हवन पूजन और ट्रंप की गुणगान करने वाले भारतीय थे। वह भी देवभूमि को नरक कुंड बताने पर चुप्पी साध कर बैठे हुए हैं। इसको लेकर आम जनता के मन में नाराजी देखने को मिल रही है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम 4 मई को आ जाएंगे। जिस तरह के हालात भारत में देखने को मिल रहे हैं। उससे ऐसा लग रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को नरक कुंड और पृथ्वी का नरक बताया है। दुनिया भर में भारतीय मूल के एनआरआई अमेरिका सहित अन्य देशों के ट्रंप के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आना, सभी को आश्चर्य में डाल रहा है। भारत में जिस तरह से अमेरिका की कंपनियां कारोबार कर रही हैं। यहां से कमा रही हैं, यहां से खा रही हैं। इसके बाद भी भारत की आस्था के साथ खेलकर भारत को नीचा दिखा रही हैं। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। इन कंपनियों का भारत में बहिष्कार करना होगा। अमेरिका के साथ अपने संबंध खत्म करना चाहिये। ट्रंप, दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से भारत का अपमान कर रहे हैं, भारत सरकार द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। इससे लगता है, हम एक बार फिर ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश सरकार के गुलाम हो गए हैं। सारी दुनिया का आर्थिक, सामाजिक एवं सामरिक परिदृष्य बड़ी तेजी के साथ बदल रहा है। अमेरिका और इजराइल अलग-थलग पड़ गए हैं। चीन-रूस और ईरान ब्रिक्स संगठन के माध्यम से अमेरिका को चुनौती दे रहे हैं। हम अभी भी अमेरिका और इजराइल की गुलामी कर रहे हैं। इससे भारतीय जनता की नाराजी अब स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। भारत सरकार को समय रहते ना केवल विदेश नीति में बदलाव करना चाहिए। वहीं भारत का आत्म सम्मान पूर्व की भांति सारी दुनिया में बना रहे, इसके लिए समय रहते अपनी ताकत और दृण इच्छा शक्ति का परिचय देना होगा।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

भारत-न्यूज़ीलैंड दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

राजेश अग्रवाल
(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल था: तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व -इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र - की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूजीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नज़र में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूज़ीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं- ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी - यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता है: 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूजीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता है: उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

बेहतर बाजार पहुंच: एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी है: यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाज़ार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक-ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़ की वजह से बाधित थे-अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत-प्रशांत क्षेत्र में विविधीकरण और विस्तार: यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूजीलैंड-जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है-में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूज़ीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूज़ीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है-क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28% से अधिक हिस्सा चीन जाता है-और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है। अब भारत की पहुंच केवल किसी एक विकसित अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसकी पहुंच दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के एक व्यापक क्षेत्रीय इकोसिस्टम तक हो गई है। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए अधिक निश्चितता और बड़े पैमाने पर अपना परिचालन करना कहीं अधिक आसान हो गया है। यह बाज़ार तक पहुँच में बिखराव को कम करता है और उन व्यवसायों के लिए एक सुगम मार्ग तैयार करता है, जो प्रशांत क्षेत्र में अपना विस्तार करना चाहते हैं।

भारत में व्यापार-आधारित विकास कई विकल्प देता है। देश के स्तर पर, भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए से व्यापक और संरचना निहित लाभ मिलने की उम्मीद है, जो भारत के निर्यात आधार के भौगोलिक रूप से व्यापक और क्षेत्रीय रूप से विशिष्ट स्वरूप को प्रतिबिंबित करता है। गुजरात के रसायन और रत्न, महाराष्ट्र की दवाएं और वाहन कल-पुर्ज़े, तमिलनाडु के वस्त्र, उत्तर प्रदेश के चमड़े और हस्तशिल्प, पंजाब के कृषि-आधारित उत्पाद, कर्नाटक की दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पश्चिम बंगाल की चाय और इंजीनियरिंग सामान-ये सभी बेहतर मूल्य प्रतिस्पर्धा से लाभ प्राप्त करने की स्थिति में हैं। आंध्र प्रदेश और केरल जैसी तटीय अर्थव्यवस्थाओं को समुद्री निर्यात में बेहतर मूल्य प्राप्ति होगी, जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र को चाय, मसाले, बांस और जैविक उत्पादों के लिए बेहतर बाज़ार पहुँच मिल सकती है। अब निर्यात में और विविधता लायी जा सकती है।

सौभाग्य से, व्यापार दोनों तरफ से होता है। भारत ने अपनी 70.03% टैरिफ लाइनों पर टैरिफ में ढील दी है, जबकि 29.97% टैरिफ लाइनों को छूट से बाहर रखा है; इसमें न्यूज़ीलैंड के साथ मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार के 95% मूल्य को शामिल किया गया है। उद्योग के लिए हमारे मुख्य इनपुट पर तुरंत ड्यूटी खत्म कर दी गई है। लकड़ी और लकड़ी के गूदे जैसे आयात से कागज़, पैकेजिंग, फ़र्नीचर और निर्माण क्षेत्रों को मदद मिलेगी। यह समझौता ऊन, और लौह व अलौह पदार्थों के कचरे और स्क्रैप तक पहुँच को भी बेहतर बनाता है, जिससे घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। ये विनिर्माण को बढ़ावा देने वाले कारक हैं। इनकी लागत कम करके, यह समझौता एक महत्वपूर्ण काम करता है: यह भारतीय विनिर्माण के प्रतिस्पर्धा आधार को बदल देता है।

न्यूज़ीलैंड के लिए, हिसाब-किताब अलग है। भारत का मतलब है बड़ा पैमाना-विविधीकरण की रणनीति में एक ज़रूरी कड़ी, जो इतने बड़े मौके देती है कि कुछ ही देश उसकी बराबरी कर सकते हैं। 422 अरब डॉलर से ज़्यादा के विदेशी निवेश के साथ, न्यूज़ीलैंड की वैश्विक मौजूदगी पहले से ही काफी बड़ी है। भारत सिर्फ़ एक बाज़ार ही नहीं, बल्कि उत्पादन, तकनीक और मानव संसाधन के क्षेत्र में भी साझेदारी का अवसर देता है। 20 अरब डॉलर के निवेश के वादे के साथ, इस रिश्ते का दीर्घावधि रणनीतिक स्वरूप है-एक ऐसा स्वरूप जो रोज़गार पैदा करने, क्षमताओं को मजबूत करने और लेन-देन वाले जुड़ाव से आगे बढ़कर एक ऐसी साझेदारी में विकसित होने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है जो स्थायी, अंतर्निहित और लंबे समय तक चलने वाली हो।

वस्तु व्यापार से आगे का एफटीए: शायद इस साझेदारी का सबसे अहम पहलू इसकी बुनियादी बातों पर वापसी है: कृषि। कृषि तकनीक एक मुख्य स्तंभ के तौर पर उभरती है। यह समझौता एक 'कृषि उत्पादकता साझेदारी' की रूपरेखा तैयार करता है, जो ज्ञान के आदान-प्रदान की दिशा में आगे बढ़ती है। प्रशीतन-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स, सटीक खेती और कटाई के बाद के प्रबंधन में न्यूज़ीलैंड की विशेषज्ञता, पैदावार बढ़ाने और बर्बादी कम करने की भारत की ज़रूरत के अनुरूप है। कीवी फल, सेब और शहद के लिए कार्य योजनाएँ तथा उत्पादकों के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' और तकनीकी सहायता, बाज़ार तक पहुँच के साथ के साथ जोड़ी गई हैं। सेब, कीवी फल और मानुका शहद जैसे उत्पादों का आयात टैरिफ़ दर कोटा, न्यूनतम आयात मूल्य और मौसमी समय-सीमा के ज़रिए नियंत्रित किया गया है।

त्याग, प्रेम और सामाजिक बदलाव की अनोखी मिसाल

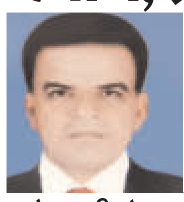

कांतिलाल मांडोत

वैशाली के जंदाहा प्रखंड की खोपी पंचायत में हुई इस घटना ने पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है। संजू कुमारी, जिनकी शादी चार साल पहले मुकेश कुमार मांझी से हुई थी, अपने पति के महाराष्ट्र में रहने के दौरान सोशल मीडिया के जरिए वरुण कुमार मांझी के संपर्क में आईं। धीरे-धीरे यह संपर्क प्रेम में बदल गया। यह कहानी आज के डिजिटल युग की उस सच्चाई को भी दर्शाती है, जहां फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रिश्तों को जोड़ने के साथ-साथ उन्हें तोड़ने की भी क्षमता रखते हैं।

बिहार के वैशाली जिले से सामने आई यह घटना न केवल चौंकाने वाली है, बल्कि समाज, रिश्तों और मानवीय संवेदनाओं को नए सिरे से सोचने पर मजबूर भी करती है। एक ऐसा समाज, जहां विवाह को जन्म-जन्मांतर का बंधन माना जाता है, वहां एक पति द्वारा अपनी ही पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करवा देना असाधारण ही नहीं, बल्कि कई मायनों में एक साहसिक और जटिल निर्णय भी है। यह घटना परंपराओं, भावनाओं और सामाजिक मान्यताओं के बीच चल रहे संघर्ष को उजागर करती है।

वैशाली के जंदाहा प्रखंड की खोपी पंचायत में हुई इस घटना ने पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है। संजू कुमारी, जिनकी शादी चार साल पहले मुकेश कुमार मांझी से हुई थी, अपने पति के महाराष्ट्र में रहने के दौरान सोशल मीडिया के जरिए वरुण कुमार मांझी के संपर्क में आईं। धीरे-धीरे यह संपर्क प्रेम में बदल गया। यह कहानी आज के डिजिटल युग की उस सच्चाई को भी दर्शाती है, जहां फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रिश्तों को जोड़ने के साथ-साथ उन्हें तोड़ने की भी क्षमता रखते हैं।

जब इस संबंध की जानकारी परिवार और पति को हुई, तब आमतौर पर जैसे विवाद, तनाव या हिंसा की स्थिति बनती है, वैसा कुछ नहीं हुआ। इसके विपरीत, पति मुकेश ने एक ऐसा निर्णय लिया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने अपनी पत्नी की इच्छा को प्राथमिकता दी और उसे उसके प्रेमी के साथ जीवन बिताने की अनुमति दे दी। इतना ही नहीं, उन्होंने खुद इस शादी की पूरी व्यवस्था की और मंदिर में उपस्थित रहकर 'बाराती' की भूमिका निभाई।

यह घटना केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि त्याग और आत्मबल का उदाहरण भी है। मुकेश का यह कदम यह दर्शाता है कि उन्होंने अपने अहंकार और सामाजिक दबाव से ऊपर उठकर अपनी पत्नी की खुशी को प्राथमिकता दी। यह निर्णय आसान नहीं रहा होगा। एक पति के रूप में, समाज के एक सदस्य के रूप में, और एक व्यक्ति के रूप में उन्हें कई भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ा होगा। फिर भी उन्होंने जिस शांति और समझदारी के साथ इस स्थिति को संभाला, वह प्रशंसनीय है।

हालांकि, इस घटना को केवल त्याग की कहानी के रूप में देखना भी अधूरा होगा। यह समाज में बदलते रिश्तों और मूल्यों की ओर भी इशारा करती है। आज के समय में, जहां व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपनी पसंद को महत्व दिया जा रहा है, वहां पारंपरिक विवाह संस्था भी चुनौतियों का सामना कर रही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने लोगों को नए संबंध बनाने के अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही जटिलताएं भी बढ़ी हैं।

इस घटना ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि क्या विवाह केवल एक सामाजिक अनुबंध है या दो व्यक्तियों की सहमति और खुशी पर आधारित संबंध? अगर किसी संबंध में प्रेम और विश्वास नहीं बचा, तो क्या उसे जबरदस्ती बनाए रखना सही है? मुकेश का निर्णय इस बात की ओर संकेत करता है कि उन्होंने विवाह को केवल एक सामाजिक बंधन के रूप में नहीं देखा, बल्कि अपनी पत्नी की स्वतंत्रता और खुशी को अधिक महत्व दिया।

दूसरी ओर, इस तरह की घटनाएं समाज में कई तरह की प्रतिक्रियाएं भी उत्पन्न करती हैं। कुछ लोग इसे त्याग और महानता का उदाहरण मानते हैं, तो कुछ इसे पारंपरिक मूल्यों के टूटने के रूप में देखते हैं। कई लोगों के लिए यह स्वीकार करना कठिन है कि एक पति अपनी पत्नी की शादी किसी और से करवा सकता है। यह सोच हमारे समाज में गहराई से जमी हुई मान्यताओं को चुनौती देती है।

सोशल मीडिया की भूमिका भी इस घटना में महत्वपूर्ण है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म ने जहां दूरियों को कम किया है, वहीं यह रिश्तों में नई जटिलताएं भी लेकर आया है। कई बार लोग आभासी दुनिया में ऐसे संबंध बना लेते हैं, जिनका वास्तविक जीवन पर गहरा असर पड़ता है। यह घटना इस बात का उदाहरण है कि कैसे डिजिटल माध्यमों से बने संबंध वास्तविक जीवन के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं।

इस पूरे घटनाक्रम में एक और महत्वपूर्ण पहलू है-संवाद और सहमति। अगर मुकेश चाहते, तो इस स्थिति को विवाद या संघर्ष में बदल सकते थे। लेकिन उन्होंने संवाद का रास्ता चुना और अपनी पत्नी की इच्छा को समझने की कोशिश की। यह दर्शाता है कि किसी भी रिश्ते में संवाद कितना महत्वपूर्ण होता है।

अंततः, यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि रिश्तों का असली आधार क्या होना चाहिए-सामाजिक दबाव या व्यक्तिगत खुशी? क्या त्याग का मतलब हमेशा खुद को मिटा देना होता है, या फिर यह भी हो सकता है कि हम किसी और की खुशी के लिए अपने अहंकार को त्याग दें?

वैशाली की यह घटना कोई सामान्य घटना नहीं है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसमें प्रेम, त्याग, साहस, और सामाजिक बदलाव के कई रंग एक साथ दिखाई देते हैं। यह हमें यह सिखाती है कि हर रिश्ता अलग होता है और हर स्थिति का समाधान भी अलग हो सकता है। जरूरी यह है कि हम किसी भी निर्णय को समझदारी, संवेदनशीलता और आपसी सम्मान के साथ लें।

इस घटना ने भले ही समाज को चौंकाया हो, लेकिन यह एक नई सोच की शुरुआत भी हो सकती है जहां रिश्तों को बंधन नहीं, बल्कि समझ और सहमति के आधार पर देखा जाए।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार -स्तम्भकार)

अमेरिकी राष्ट्रपति पर हमला मतलब सुरक्षा में भारी चूक

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर-जो परंपरागत रूप से प्रेस की स्वतंत्रता और सत्ता के बीच संवाद का प्रतीक माना जाता है। इस बार एक भयावह सुरक्षा चूक का गवाह बन गया। जिस आयोजन में पत्रकार, राजनेता और नीति-निर्माता एक मंच पर आते हैं, वहीं गोलियों की आवाज़ ने लोकतंत्र के इस उत्सव को दहशत में बदल दिया। शनिवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में एक सशस्त्र हमलावर ने सुरक्षा घेरा तोडने की कोशिश की और गोलीबारी कर दी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अमेरिकी राष्ट्रपति को तत्काल कार्यक्रम से सुरक्षित बाहर लेकर जाना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति पर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति या पद पर आघात नहीं है, बल्कि यह विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक की संस्थाओं, स्थिरता और सुरक्षा व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिन्ह है। अमेरिका जैसे देश, जो वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन का प्रतिनिधित्व करता है, वहां इस तरह की घटना गहरी चिंता पैदा करती है। सबसे पहले, यह घटना बताती है कि दुनिया के सबसे सशक्त देशों में भी सुरक्षा तंत्र अभेद्य नहीं है। राष्ट्रपति की सुरक्षा को अत्यंत उच्च स्तर का माना जाता है, फिर भी यदि उस पर हमला संभव हो जाता है, तो यह सुरक्षा एजेंसियों की रणनीति और खुफिया तंत्र की समीक्षा की मांग करता है। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि संभावित रूप से बढ़ती आंतरिक अस्थिरता का संकेत भी हो सकता है। दूसरा पहलू राजनीतिक ध्रुवीकरण का है। हाल के वर्षों में अमेरिका में वैचारिक विभाजन तीव्र हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में हिंसक घटनाएं केवल सुरक्षा की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक असंतोष और राजनीतिक कट्टरता के उभार का परिणाम भी हो सकती हैं। यदि लोकतांत्रिक संवाद की जगह आक्रोश और हिंसा ले लेते हैं, तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। तीसरा, इस घटना के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। अमेरिका वैश्विक राजनीति का केंद्र है, और वहां की अस्थिरता का असर विश्व अर्थव्यवस्था, कूटनीति और सुरक्षा पर पड़ सकता है। सहयोगी देशों के लिए यह चिंता का विषय है कि क्या अमेरिका अपनी आंतरिक चुनौतियों के बीच वैश्विक नेतृत्व की भूमिका प्रभावी ढंग से निभा पाएगा। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लोकतंत्र की असली ताकत उसकी पुनरुत्थान क्षमता में होती है। अमेरिका ने अपने इतिहास में कई संकट देखे हैं-चाहे वह गृहयुद्ध हो, आतंकवादी हमले हों या राजनीतिक उथल-पुथल-और हर बार उसने संस्थाओं को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। यह घटना एक स्पष्ट संदेश देती है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि उसे निरंतर संवाद, सहिष्णुता और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता होती है। अमेरिका के लिए यह आत्ममंथन का क्षण है-और दुनिया के अन्य लोकतंत्रों के लिए भी एक चेतावनी कि राजनीतिक असहमति को हिंसा में बदलने से रोकना कितना आवश्यक है। यह घटना सिर्फ एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की गहरी खामियों को उजागर करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर होटल में पहले से ठहरा हुआ था और सुरक्षा जांच में कई स्तरों पर चूक हुई-यहां तक कि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी और मेटल डिटेक्टर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी नहीं थीं सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि हमलावर हथियारों के साथ कार्यक्रम स्थल के काफी करीब पहुंच गया और उसने एक सुरक्षा चौकी पर हमला किया। यदि यह हमला कुछ सेकंड और सफल हो जाता, तो इसके परिणाम कहीं अधिक भयावह हो सकते थे। एक एजेंट के घायल होने की खबर इस बात का संकेत है कि खतरा कितना वास्तविक था। यह सवाल उठना स्वाभाविक है-क्या अमेरिका जैसे देश में, जहां सुरक्षा एजेंसियां दुनिया की सबसे सक्षम मानी जाती हैं, इतनी बड़ी चूक कैसे हो सकती है? व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक है।

खास बात

तार्किक विसंगति बनाम चुनाव आयोग का कुतर्क

पश्चिम बंगाल के चुनाव में आयोग ने 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम तार्किक विसंगति के नाम पर मतदाता सूची से काट दिए हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक एसआईआर के माध्यम से लगभग 5 I50 करोड़ मतदाताओं के नाम विभिन्न राज्यों की मतदाता सूची से काट दिए हैं। चुनाव आयोग की ड्यूटी में शामिल है। 18 वर्ष से अधिक का कोई भी व्यक्ति मतदान से ना छूटे। इसके लिए हर साल मतदाता सूची तैयार की जाती है। एसआईआर के नाम पर अभी तक 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे हैं। जिन राज्यों में एसआईआर होना है। उसको मिलाकर करीब 10 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने का अनुमान है। मतदाताओं के नाम अलग करने की जो मुहिम चल रही है। उससे चुनाव आयोग चर्चाओं में है।

मतदान के 1 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट की ममता पर टिप्पणी?

23 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान था। 22 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में ईड़ी की याचिका पर सुनवाई हुई। चुनाव प्रचार और मतदान जब अपने अंतिम चरण में था। तब सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी, संविधान बनाते समय किसी ने नहीं सोचा होगा। एक मुख्यमंत्री किसी जांच एजेंसी के दफ्तर में पहुंचकर हस्तक्षेप करेगा, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कह दिया कानूनी सिद्धांत से फैसला नहीं होगा, सुप्रीम कोर्ट को जमीनी हकीकत भी देखनी होगी। विपक्ष आरोप लगाता है। ईड़ी सरकार के इशारे पर काम करती है। मतदान के एक दिन पहले सुनवाई नियत होना।

पश्चिम बंगाल में 2.50 लाख सुरक्षा कर्मी?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 2.50 लाख सुरक्षाकर्मी बाहर से लाए गए हैं। इसमें अधिकांश केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान हैं। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। ढाई लाख सुरक्षाकर्मी शांतिपूर्वक चुनाव नहीं करा पा रहे हैं। मतदान के प्रथम चरण में भारी अराजकता देखने को मिल रही है। पश्चिम बंगाल को एक तरह से सुरक्षाकर्मियों द्वारा घेर लिया गया है। उसके बाद भी शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में 7 करोड़ मतदाताओं का सामना कैसे केंद्रीय बल करेंगे। इसे आसानी से सोचा और समझा जा सकता है।

5 माह बाद भी नहीं चुना विधायक दल का नेता

बिहार में कांग्रेस के पास कोई संगठन नहीं है। 5 महीने से ज्यादा चुनाव के हो गए हैं। बिहार में इस समय कांग्रेस के मात्र 6 विधायक हैं। अभी तक कांग्रेस अपना विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई है। छह विधायक कभी भी पाला बदल सकते हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस ने विधायकों को उनके भाग्य भरोसे पर छोड़ दिया है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, द्वादशी, मंगलवार, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्रे, व्यय योगे, वलकरणे, कन्या की चंद्रमा, त्रिपुस्कर योग, 34/07 जलखनन, देव प्रतिष्ठा, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनीमानी, कुशल व्यवसायी होगा।

मेष राशि- उन्नति सिद्ध, वाहन भय, शरीर कष्ट, प्रयास से सफलता मिल सकती है, ध्यान दें।

वृष राशि- खर्च, सिद्धी, शुभ कार्य, कष्ट, मानसिक कार्य एवं सफलता के योग, ध्यान दें।

मिथुन राशि- राज से हानि, विरोध, अपव्यय, लेखन कार्य में रुकावट अवश्य होगी।

कर्क राशि- संतान कष्ट, आर्थिक कष्ट, खर्च, शुभ व्यय, धार्मिक एवं शुभ कार्यों के योग हैं।

सिंह राशि- सफलता, हर्ष, भय, विवाद, कुछ प्रसन्नता के योग, पारिवारिक सुख होगा।

कन्या राशि- हानि, अपव्यय का योग, रोग, मातृ कष्ट, शिक्षा जगत में संतोष रहेगा।

तुला राशि- लाभ, संतान सुख, रोगभय, झुंझलाहट, लेखन कार्य सामान्य प्रगतिकारक होगा।

वृश्चिक राशि- अभीष्ट सिद्धी, स्वजन कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्य व्यावधान के साथ सफल होगा।

धनु राशि- राजभय, स्त्री कष्ट, कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्यों में व्यवधान एवं सफलता।

मकर राशि- विवाद, कष्ट, बाधा, हानि, घरु कष्ट, नौकरी की स्थिति सामान्य अवश्य ही रहेगी।

कुंभ राशि- यश, शुभ कार्य, मुकदमे से लाभ, धार्मिक तथा कुछ अच्छे कार्य भी हो सकते हैं।

मीन राशि- रोगभय, अभीष्ट सिद्धी, अल्प हानि, नौकरी में अनबन बन सकती है, ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

28 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

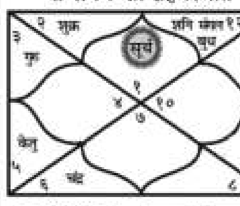

मंगलवार 2026 वर्ष का 118 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 18.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 22.36 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 21.05 बजे को समाप्त। **करण** बव 06.31 बजे तदनन्तर बालव 18.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872693
जूलियन दिन 2461158.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 10
विशेष परशुराम द्वादशी, भौम प्रदोष व्रत।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	कन्या में
मंगल	मीन में
बुध	मीन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.30 बजे से
मिथुन	08.28 बजे से
कर्क	10.41 बजे से
सिंह	12.57 बजे से
कन्या	15.09 बजे से
तुला	17.20 बजे से
वृश्चिक	19.35 ब.से
धनु	21.51 बजे से
मकर	23.56 बजे से
कुंभ	01.42 बजे से
मीन	03.15 बजे से
मेष	04.46 बजे से

दिन का चौघड़िया

रोग	05.53 से	07.22 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक

रात का चौघड़िया

काल	05.42 से	07.13 बजे तक
लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

विहिप ने पाक-बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर संयुक्त राष्ट्र से लगाई गुहार

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों (हिन्दुओं) पर लगातार हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों पर गहरी चिंता जताते हुए संयुक्त राष्ट्र से तत्काल और प्रभावी हस्तक्षेप की मांग की है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष अन्नालेना बेयरबॉक को पत्र लिख कर दोनों देशों में विशेष रूप से हिंदू, सिख, बौद्ध और ईसाई समुदायों के साथ हो रहे उत्पीड़न, जबरन धर्मांतरण और हिंसा के मामलों को उजागर किया है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सोमवार को मीडिया को जारी पत्र में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार तंत्र की हालिया रिपोर्टों और विशेषज्ञों की टिप्पणियों का हवाला देते हुए बताया कि पाकिस्तान में नाबालिग लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और विवाह के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। इन मामलों में अधिकांश पीड़ित महिलाएं हिंदू और ईसाई समुदाय से संबंधित हैं।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए से परिधान क्षेत्र में खुलेंगे नए अवसरः कपड़ा मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को नई दिल्ली में ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। कपड़ा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार यह समझौता दोनों देशों के बीच भविष्य के लिए तैयार साझेदारी को दर्शाता है। देश के वस्त्र और परिधान क्षेत्र के लिए एक 'बड़ा प्रोत्साहन' है। न्यूजीलैंड का बाजार भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा द्वार खोलने वाला है। आंकड़ों के अनुसार प्रति व्यक्ति आय : न्यूजीलैंड की लगभग 52 हजार डॉलर की उच्च प्रति व्यक्ति आय और शहरी केंद्रों में केंद्रित 53 लाख की आबादी भारतीय उत्पादों के लिए एक प्रीमियम मार्केट सुनिश्चित करती है। आयात की स्थिति : न्यूजीलैंड के कुल वैश्विक आयात में परिधान क्षेत्र की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। वर्तमान में न्यूजीलैंड वस्त्रों पर 0.33 अरब डॉलर, परिधान पर 1.27 अरब डॉलर और तैयार उत्पादों पर 0.33 अरब डॉलर का वैश्विक आयात करता है। अब तक भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड में 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक के एमएफएन शुल्क का सामना करना पड़ता था, जो विशेष रूप से ऊन, एमएमएफ, कालीन और तैयार परिधानों पर लागू थे।

दिल्लीवासी 30 अप्रैल को करेंगे सोमनाथ की निःशुल्क यात्रा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के लोगों के लिए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, सोमनाथ यात्रा' कराने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत 30 अप्रैल को सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सोमनाथ धाम के लिए करीब 1300 श्रद्धालु रवाना होंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में पत्रकारों को बताया कि राज्य सरकार यहां के निवासियों के लिए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, सोमनाथ यात्रा' का आयोजन कर रही है। यह पावन पहल सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्षों की अखंड आस्था को समर्पित है। जिसका उद्देश्य सोमनाथ की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को व्यापक स्तर पर पुनर्स्मरण और प्रसारित करना है। यह यात्रा केवल दर्शन की यात्रा नहीं बल्कि सनातन संस्कृति, भारतीय परंपरा और अपनी आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ने का पावन अवसर है। सोमनाथ की कृपा से सनातन मूल्यों का प्रकाश बढ़े, संस्कृति समृद्ध हो तथा जनसेवा का भाव सुदृढ़ हो, यही हमारी प्रार्थना और प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ धाम भगवान शिव की अनंत कृपा, सनातन आस्था और भारत की अमर सांस्कृतिक चेतना का दिव्य प्रतीक है। यह स्थान हमें हमारी उस विरासत की याद दिलाता है, जिसने हर कठिन दौर में भी अपने अस्तित्व और आस्था को अक्षुण्ण बनाए रखा। यह यात्रा उसी अटूट विश्वास और राष्ट्रीय स्वाभिमान का उत्सव है। दिल्ली से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी और सशक्त हैं।

सैन्य सहयोग बढ़ाने इजराइल ने यूएई में तैनात किया डोम

अबू धाबी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपना अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम तैनात किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के दौरान उठाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूएई के राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। इसके तहत इजराइली सेना ने न केवल आयरन डोम सिस्टम बल्कि इंटरसेप्टर टीम भी यूएई में तैनात की। बताया जा रहा है कि संघर्ष के दौरान ईरान ने यूएई को निशाना बनाते हुए बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूएई ने दावा किया कि उसने अधिकांश हमलों को हवा में ही निष्क्रिय कर दिया, हालांकि कुछ हमले सैन्य और नागरिक ठिकानों तक पहुंचने में सफल रहे।

प. बंगाल में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी पर साधा निशाना

ममता हिन्दू विरोधी है 'राम' नाम सुनते ही भड़क जाती है

कोलकाता/हुगली ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए सोमवार को प्रचार समाप्त हो गया। प्रचार के आखिरी दिन हुगली जिले के धनियाखाली में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और राज्य की कानून-व्यवस्था से लेकर सांस्कृतिक मुद्दों तक कई सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन में दावा किया कि पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय भी अब तृणमूल के खिलाफ खड़ा हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद ही तृणमूल कार्यकर्ताओं में भय का माहौल बन गया है और चुनाव परिणाम आने के बाद उनकी स्थिति और कमजोर हो जाएगी।

उन्होंने उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की तुलना करते हुए कहा कि जहां उत्तर प्रदेश में 'राम नाम' और 'हर हर महादेव' की गूंज सुनाई देती है, वहीं बंगाल में तृणमूल समर्थित तत्वों पर अव्यवस्था फैलाने और कब्जा करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में दंगे और गुंडागर्दी आम थे, लेकिन उनकी सरकार आने के बाद स्थिति में बड़ा बदलाव आया है।

योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह हिन्दू विरोधी हैं, 'राम' के नाम सुनते ही वह भड़क जाती है। पिछले 15 वर्षों में राज्य की स्थिति खराब हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में पारंपरिक और धार्मिक विषयों पर खुलकर बात नहीं की जाती।

अपने भाषण में उन्होंने संवेदनशील मुद्दों का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि राज्य में कुछ सामाजिक समस्याओं पर पर्याप्त कार्रवाई नहीं हो रही है। हालांकि, इन आरोपों पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

तारकेश्वर मंदिर पहुंचे योगी, कल्याणी में किया रोड शो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार के अखिरी दिन सभी पार्टियां अपनी पूरी ताकत झोंकती दिख रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हुगली के प्रसिद्ध तारकेश्वर मंदिर जाकर भगवान शिव की आराधनी की।

इससे पूर्व उन्होंने कल्याणी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार अनुपम विश्वास के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए जमकर हमले किये।

उन्होंने कहा कि ममता दीदी सड़कों पर नमाज पढ़ती हैं और इफ्तार का आयोजन करती हैं। यहां किसी भी हिंदू त्योहार से पहले कर्फ्यू लगा दिया जाता है। लव जिहाद और लैंड जिहाद की घटनाएं होती हैं। इतना सब होने के बाद भी तृणमूल चुप रहती है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में भी ऐसी ही स्थिति थी। गुंडागर्दी थी और माफिया एक समानांतर सरकार चलाते थे, लैंड जिहाद व्यापक था। त्योहार से पहले दंगे शुरू हो जाते थे। 2017 में उत्तर प्रदेश में दो इंजन वाली सरकार सत्ता में आई थी। गुंडागर्दी खत्म हो गई है, कर्फ्यू खत्म हो गया है, दंगे खत्म हो गए हैं। लव जिहाद और लैंड जिहाद पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कोई भी माफिया किसी व्यापारी को धमकी नहीं दे सकता। अगर वे ऐसा करते हैं, तो उत्तर प्रदेश के बुलडोजर उनकी हड्डियों को कुचल देंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की सरकार आने के बाद असामाजिक तत्वों पर नकेल कसा जायेगा और किसी की दादागिरी नहीं चलेगी।

भाजपाध्यक्ष ने राजस्थान में सात पार्टी कार्यालयों का किया उद्घाटन

राजनीति शॉर्टकट नहीं, लंबी दौड़ है, संगठन की मजबूती, कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी ताकत : नवीन

जयपुर/टोंक ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने पदभार संभालने के बाद सोमवार को राजस्थान के पहले दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने टोंक से वर्चुअल माध्यम द्वारा राजस्थान के टोंक, बूंदी, चूरू, पाली, प्रतापगढ़, डूंगरपुर एवं बाड़मेर जिलों में नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालय भवनों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही जालोर जिला कार्यालय का शिलान्यास भी किया।

टोंक में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि पार्टी कार्यालय केवल ईट और बालू से बना ढांचा नहीं होता, बल्कि यह संगठन के संकल्प और विचारों का केंद्र होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि राजनीति में शॉर्टकट से बचना चाहिए। राजनीति 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि लंबी दूरी की दौड़ है, जहां धैर्य और निरंतरता की परीक्षा होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को धैर्य, अनुशासन और समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी।

नवीन ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जो कार्य किए हैं, उन्हें जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता हैं और उनके बलिदान व मेहनत से ही पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। एक समय ऐसा भी था जब भाजपा के केवल दो सांसद थे और पार्टी का मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन कार्यकर्ताओं के समर्पण और संघर्ष से आज पार्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंची है। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थान में संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। राजस्थान आज सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब गिवर बनें।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ ताकतें देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं, जबकि केंद्र सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो दल अपनी ही माताओं-बहनों को सम्मान नहीं दे सके, वही इस कानून का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कांग्रेस ने महिलाओं का हक क्यों छीना, उन्हें राजनीतिक भागीदारी से वंचित रखने का प्रयास क्यों किया।

नेपाल के 20 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने उप्र विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

लखनऊ। भारत भ्रमण पर आए नेपाल के 20 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात की। इस दौरान महाना ने कहा कि भारत और नेपाल के मध्य प्राचीनकाल से ही घनिष्ठ एवं आत्मीय संबंध रहे हैं, जो धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आधार पर निरंतर सुदृढ़ होते रहे हैं।

बीजद ने 'दलबदल' के आरोप में आठ विधायकों की अयोग्यता की मांग की

भुवनेश्वर ■ एजेंसी

बीजू जनता दल (बीजद) ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी लाइन से अलग वोट करने वाले अपने आठ विधायकों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए उन्हें ओडिशा विधानसभा से अयोग्य घोषित करने की मांग की है। पार्टी ने इन विधायकों पर दल-विरोधी गतिविधियों और व्हिप का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

बीजद की वरिष्ठ नेता एवं विपक्ष की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि संबंधित विधायकों ने पार्टी हितों के खिलाफ काम किया है और अब उन्हें पार्टी में बने रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि या तो वे स्वेच्छा से इस्तीफा दें या अयोग्यता का सामना करें।

मल्लिक ने इन विधायकों को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उन्हें जनता का समर्थन प्राप्त है, तो वे उपचुनाव लड़कर इसे साबित करें।

इस मांग का समर्थन करते हुए बीजद विधायक अरुण कुमार साहू ने बताया कि पार्टी के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर औपचारिक रूप से अयोग्यता की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विधायकों ने न केवल पार्टी व्हिप का उल्लंघन किया, बल्कि स्वयं को पार्टी से अलग भी कर लिया। साहू ने कहा कि इस कदम से पहले कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों से परामर्श लिया गया है। उन्होंने बताया कि इन विधायकों ने कथित तौर पर राज्यसभा चुनाव में पार्टी निर्देशों के बावजूद किसी अन्य उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। बीजद ने चुनाव से दो दिन पहले अपने विधायकों को पार्टी मुख्यालय में उपस्थित रहने और आधिकारिक बैठक में शामिल होने का निर्देश जारी किया था, लेकिन आरोपित विधायकों ने इसका पालन नहीं किया।

ईरान ने अमेरिका को होर्मुज खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा

वाशिंगटन ■ एजेंसी

ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस को मिल गया है। ईरान और अमेरिका के बीच मूंछ की लड़ाई बन चुके होर्मुज के बंद होने से सारी दुनिया परेशान है। तेल और गैस के संकट ने कई देशों को संकट में डाल दिया है। तेल और गैस से लदे जहाज गुजर नहीं पा रहे हैं।

महत्वपूर्ण और रणनीतिक इस जलमार्ग पर ईरान और अमेरिकी की आंखें निगहबान हैं। कई देश दोनों देशों के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। पाकिस्तान में तो एक बार बातचीत भी हो चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सैन्य विराम बढ़ा चुके हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बातचीत का दूसरा चरण शुरू नहीं हो पाया है। दोनों को मनाने के लिए मध्यस्थ देशों के प्रयास जारी हैं। अमेरिकी न्यूज पोर्टल एक्सियोस और संयुक्त अरब अमीरात के अंग्रेजी अखबार द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने और होर्मुज को फिर से खोलने पर जोर दिया है। प्रस्ताव का मुख्य फोकस वैश्विक ऊर्जा संकट को कम करना और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को खत्म करना बताया जा रहा है। इसमें ईरान ने शर्त रखी है कि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को बाद के चरण में शुरू किया जाए।

प्रस्ताव व्हाइट हाउस पहुंच तो चुका है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ट्रंप प्रशासन इस पर आगे बढ़ेगा या नहीं? व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा कि अमेरिका ऐसे संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दों पर मीडिया के जरिए बातचीत नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका किसी भी समझौते में अपनी प्राथमिकताओं से समझौता नहीं करेगा और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यह प्रस्ताव ऐसे समय पर आया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत लगभग ठप है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी थी। इस यात्रा को शांति वार्ता का अहम हिस्सा माना जा रहा था। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान से लगातार बातचीत कर रहे हैं। वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से बात कर रूस पहुंच गए हैं। वहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होने वाली है। एक अमेरिकी अधिकारी और बातचीत से परिचित दो सूत्रों ने पुष्टि की है कि ईरान ने अमेरिका के सामने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है।

तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ट्रंप सोमवार को अपनी शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति टीम के साथ ईरान पर 'सिचुएशन रूम' में एक बैठक करने वाले हैं। एक सूत्र ने बताया कि अराघची ने सप्ताहांत में पाकिस्तान, मिस्र, तुर्किये और कतर के मध्यस्थों को यह स्पष्ट कर दिया कि अमेरिकी मांगों को कैसे पूरा किया जाए, इस पर ईरानी नेतृत्व के भीतर कोई आम सहमति नहीं है। अमेरिका चाहता है कि ईरान कम से कम एक दशक के लिए यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को रोक दे और अपने संवर्धित यूरेनियम को देश से बाहर भेज दे।

पाकिस्तान में मुनीर से मिलकर अराघची रूस रवाना, पुतिन से करेंगे मुलाकात

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

तेहरान ने वाशिंगटन के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात के बाद रविवार को ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए रूस रवाना हो गए। अराघची ओमान से लौटकर दोबारा इस्लामाबाद पहुंचे। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक को सारी स्थिति से अवगत कराया।

अल जजीरा, दुनिया न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, आसिम मुनीर और अराघची की मुलाकात पर ईरान के सरकारी मीडिया ने कोई चर्चा नहीं की है। पाकिस्तान के एक राजनयिक सूत्र ने जरूर कहा कि संभवतः अगली बातचीत में जरूर कोई न कोई हल निकल सकता है। अगले दौर की वार्ता में ईरान और अमेरिका के अलावा खाड़ी देश के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस में सोमवार को वे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में बातचीत की स्थिति पर चर्चा होगी। इससे पहले, इस सप्ताहांत अराघची पाकिस्तान और ओमान में अहम मध्यस्थों से मुलाकात कर चुके हैं। अराघची ने पहले कहा था कि यह साफ नहीं है कि वाशिंगटन 'कूटनीति को लेकर सचमुच गंभीर है या नहीं,' क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों के पाकिस्तान दौरे की योजना रद्द कर दी है।

ट्रंप ने कहा कि बातचीत फोन पर जारी रहेगी। यह बात उन्होंने तब कही जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रहे तनाव के बीच अमेरिकी वार्ताकारों से सीधे मुलाकात करने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने रविवार को कहा, 'अगर वे बात करना चाहते हैं, तो वे हमारे पास आ सकते हैं, या वे हमें फोन कर सकते हैं।' उन्होंने इस बात को दोहराया कि युद्ध 'बहुत जल्द खत्म हो जाएगा।'

करीब एक महीने तक रनवे की मरम्मत के बाद फिर उड़ान भरने की तैयारी

जोधपुर एयरपोर्ट आज से पुनः होगा शुरू, फिर टेकऑफ और टेकऑन करेंगे विमान

जोधपुर ■ एजेंसी

रनवे मरम्मत कार्य के चलते पिछले करीब एक महीने से बंद जोधपुर एयरपोर्ट मंगलवार से फिर शुरू हो रहा है। इसी के साथ जोधपुर एयरपोर्ट पर समर शेड्यूल लागू हो जाएगा। इस बार छह शहरों के लिए 9 उड़ानें संचालित होनी हैं। सभी फ्लाइट्स समर शेड्यूल के तहत चलेंगी।

बताया गया है कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद सहित छह शहरों से कनेक्टिविटी रहेगी। हमेशा की तरह इस गर्मी में भी जयपुर-जोधपुर फ्लाइट बंद कर दी गई है। इसके अलावा इंदौर के लिए भी फ्लाइट नहीं है, लेकिन दूसरी तरफ इस साल पहली बार गर्मियों में जैसलमेर एयरपोर्ट का संचालन शुरू किया जा रहा है। जैसलमेर एयरपोर्ट से 3 मई से एकमात्र जैसलमेर-जयपुर उड़ान का संचालन एलायंस एयर की ओर से किया जाएगा। इससे जोधपुर आने वाले यात्री जैसलमेर जाकर वापसी में आसानी से जयपुर होते हुए दिल्ली लौट सकेंगे।

एयरपोर्ट निदेशक मनोज उनियाल ने बताया कि 28 अप्रैल से फ्लाइट्स का संचालन वापस शुरू हो जाएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने हाल में फ्लाइट्स का समर शिड्यूल जारी किया था, जो पूरे देश में 28 मार्च से लागू हो गया था, लेकिन जोधपुर एयरपोर्ट 28 अप्रैल से खुलने के साथ समर शिड्यूल लागू होगा। इसमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद के लिए कुल 9 फ्लाइट्स के 18 फेरे संचालित होंगे। पहली फ्लाइट सुबह 8.45 बजे लैंड करेगी और आखिरी शाम 4.15 बजे। जबकि टेकऑफ सुबह 9.20 से शाम 4.45 बजे तक होंगे। इंडिगो और एयर इंडिया के अलावा इस बार एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी जोधपुर से अपनी सेवाएं जारी रखने का निर्णय किया है। एयर इंडिया अपनी एकमात्र जोधपुर-बेंगलूरू उड़ान का संचालन करेंगी।

नए शिड्यूल में जोधपुर से दिल्ली व मुंबई के लिए रोजना दो दो फ्लाइट्स होंगी। बेंगलुरु के लिए दो फ्लाइट्स होगी, लेकिन प्रतिदिन नहीं होंगी। इंडिगो की फ्लाइट सोमवार, बुधवार, शुक्रवार व रविवार को उड़ेंगी। जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस की शनिवार को छोड़कर प्रतिदिन संचालित होगी। अहमदाबाद के लिए बुधवार के अलावा सप्ताह के बाकी दिनों फ्लाइट्स मिलेगी। पुणे और हैदराबाद के लिए रोजाना एक एक उड़ान होगी।

उन्होंने बताया कि एयरफोर्स स्टेशन का रनवे भूजल से प्रभावित होने से वापस तैयार हो रहा है। इसके तहत एक से 28 मार्च तक बिना ऑपरेशन रोके ही काम चलता रहा।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिए आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित हैं
2. डाक्टरों और वैद्य-हकीमों का इलाज करा-करा कर थक गए हैं
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो गया है

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आएं और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिक अमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003
मो. 9827054436

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ श्री सीताराम ॥ ॥ जय श्री राम ॥ ॥ जय हनुमान ॥

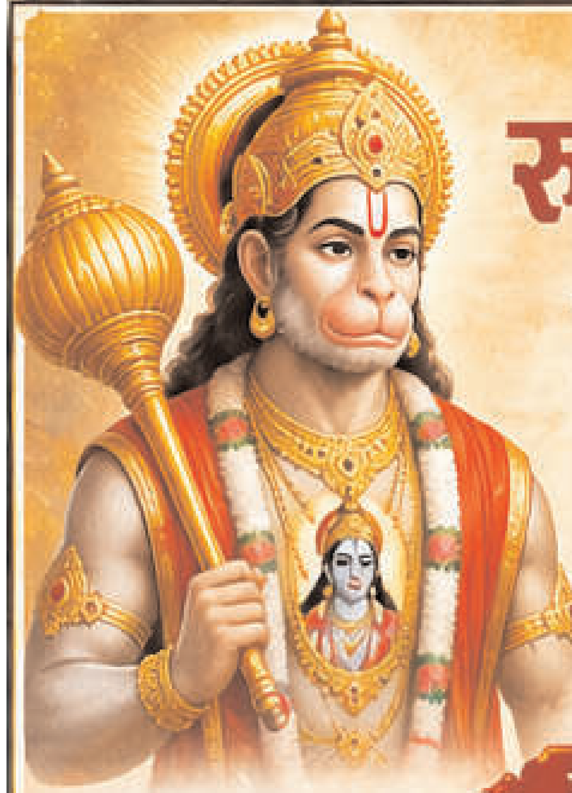

रुका हुआ भाग्य कैसे चलता है?

हनुमान साधना से कार्य सिद्धि का रहस्य

जीवन की हर रुकावट को दूर करने वाली अद्भुत साधना

जब हनुमान जी का हाथ सिर पर हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है!

आज की सबसे बड़ी समस्या

न धन की कमी, न अवसरों की कमी...
बल्कि भाग्य का साथ न देना।
कई लोग दिन-रात मेहनत करते हैं,
योग्यता भी होती है, प्रयास भी होता है...
लेकिन जैसे ही सफलता पास आती है,
कोई न कोई रुकावट खड़ी हो जाती है।

- इंटरव्यू क्लियर होते-होते रुक जाता है
- बिजनेस डील आखिरी समय पर टूट जाती है
- रिश्ते बनते-बनते बिगड़ जाते हैं

लोग कहते हैं –
"सब कुछ ठीक होते-होते रुक जाता है..."

समस्या: काम बनते-बनते रुक जाना

यह समस्या तीन कारणों से होती है –

1. मानसिक अस्थिरता
2. नकारात्मक ऊर्जा
3. संकल्प की कमजोरी

और इन तीनों का समाधान है –
हनुमान उपासना

प्रतीकेश्वर जी महाराज

रामायण कथा एवं जीवन मार्गदर्शन प्रवचन

रामायण का सिद्धांत

जहाँ बल, बुद्धि और भक्ति का संगम होता है, वहीं कार्य सिद्धि होती है।

रामचरितमानस के सुंदरकांड में हनुमान जी ने असंभव को संभव किया – समुद्र लांघा, लंका में प्रवेश किया, सीता माता का पता लगाया।

यह केवल कथा नहीं...
कार्य सिद्धि का विज्ञान है।

हनुमान जी का रहस्य

समस्या बड़ी नहीं होती,
कमजोर संकल्प बड़ा होता है।

हनुमान जी केवल बाहरी बाधाएं नहीं हटाते, वे इंसान के अंदर की कमजोरी को खत्म करते हैं।
और जब इंसान अंदर से मजबूत हो जाता है, तो बाहरी दुनिया अपने आप बदलने लगती है।

मंत्र (मुख्य साधना)

॥ ॐ हनुमते नमः ॥

यह छोटा मंत्र है, लेकिन इसकी शक्ति बहुत गहरी है।

हनुमान चालीसा में भी हनुमान जी को "संकट मोचन" कहा गया है – अर्थात जो बाधाओं को दूर करते हैं।

विशेष साधना – 11 दिन का हनुमान संकल्प

यह साधना आपकी किस्मत बदल सकती है!

1. सुबह स्नान करके या रात में शांत समय चुनें।
2. हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं।
3. आँखें बंद करके अपने रुके हुए काम का संकल्प लें (मन में स्पष्ट बोलें)।
4. 108 बार "ॐ हनुमते नमः" जप करें।
5. यह प्रक्रिया लगातार 11 दिन तक करें (बिना ब्रेक)।

नियम (यही सफलता का रहस्य है)

- एक भी दिन ब्रेक नहीं
- झूठ, नकारात्मकता और बुरी संगति से दूरी
- मन में विश्वास, धैर्य और सकारात्मकता रखें
- जितना संभव हो सात्विक भोजन और शुद्ध आचरण रखें

किसे करना चाहिए यह साधना?

- जिनके काम बार-बार रुक जाते हैं
- जिनका आत्मविश्वास कम है
- जिनको इंटरव्यू/डील में सफलता नहीं मिलती
- जिनके जीवन में दिशा नहीं है
- जिनके प्रयासों का फल नहीं मिल रहा

क्या परिवर्तन आएंगे?

मन शांत होगा	निर्णय शक्ति बढ़ेगी	अवसर दिखने लगेंगे	रुके हुए काम बनने लगेंगे	डर और तनाव कम होगा

सबसे बड़ा बदलव – आपका अंदर का डर खत्म होने लगेगा!

लोगों के अनुभव

रोहित सर्मा, जयपुर
11 दिन की साधना की, रुका हुआ प्रमोशन मिल गया।

नेहा अग्रवाल, इंदौर
लगातार असफलता मिल रही थी, अब काम बनने लगे हैं।

अमित वर्मा, दिल्ली
डील आखिरी समय पर टूट जाती थी, अब सब ठीक है।

आप भी अपना अनुभव साझा करें
और दूसरों को प्रेरित करें।

अतिरिक्त लाभ

- नकारात्मक ऊर्जा और वुरी नजर से रक्षा
- आत्मबल, साहस और हिम्मत में वृद्धि
- मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि
- रोग, शोक, भय और चिंता से मुक्ति
- धन और सुख-समृद्धि में वृद्धि

हनुमान जी की कृपा कैसे प्राप्त करें?

हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है – सच्चा मन, सच्चा संकल्प और सच्ची भक्ति। नियमित नाम जप, सुंदरकांड पाठ, सेवा और सदाचार – यही हनुमान जी की सच्ची आराधना है।

संकल्प मजबूत, जप नियमित – सफलता निशित

साधना के साथ करें ये कार्य

- प्रतिदिन सुंदरकांड का पाठ (या सुनना)
- हनुमान चालीसा का पाठ करना
- मंगलवार या शनिवार को व्रत रखें
- गौ सेवा, गरीबों की सहायता करें
- माता-पिता और गुरुओं का सम्मान करें

संपर्क करें

कथा, प्रवचन, धार्मिक कार्यक्रम
व अन्य जानकारी के लिए संपर्क करें

8435108214

WhatsApp 8435108214

YouTube
Pratikeshwar Ji Maharaj

सोशल मीडिया पर जुड़ें

राम नाम की ज्योति जलाएं, हनुमान कृपा से जीवन संवारें।
॥ जय श्री राम ॥ ॥ जय हनुमान ॥

संक्षिप्त समाचार

रहाणे ने जीत का श्रेय रिंकू की पारी को दिया

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) कप्तान आजिंग्य रहाणे ने सुपर ओवर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत पर खुशी जतायी है। रहाणे ने इस जीत का श्रेय रिंकू सिंह की धमाकेदार बल्लेबाजी को दिया है। रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी ने मैच बदल दिया। उसके कारण ही उनकी टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। रिंकू ने इस मैच में एक ही ओवर में चार छक्के लगाकर 83 रनों की पारी खेली। इससे अंक तालिका में केकेआर पहली बार एक स्थान ऊपर आयी है। मैच के बाद जब रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी से अंतर आया। रहाणे ने कहा कि रिंकू ने जिस प्रकार से 16 ओवर के बाद बल्लेबाजी की है उससे मैं बेहद खुश हूं।उसकी पारी ने सब बदल दिया। जिस प्रकार उसने अंतिम ओवर में रन बटोरे उससे ही हम मैच में वापस आये।

पाक क्रिकेट विशेषज्ञ बोला, वैभव के बल्ले की जांच कराओं

लाहौर। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण छाये हुए हैं। वैभव ने आईपीएल के इस सत्र में दो शतक लगा दिये हैं। इससे पहले वैभव ने अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाकेदार प्रदर्शन किया था। इससे वह क्रिकेट जगत के भविष्य के स्टार माने जा रहे हैं। आईपीएल में तूफानी शतक के अलावा वैभव ने पैट कमिंस, जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर सहित विश्क क्रिकेट के कई दिग्गज गेंदबाजों की पिटाई की है, उससे सभी हैरान हैं। वहीं दूसरे ओर पाकिस्तान के एक क्रिकेट विशेषज्ञ को किसी उभरते भारतीय खिलाड़ी की इस प्रकार बढ़ती लोकप्रियता सहन नहीं हो रही है। इस पाक क्रिकेट विशेषण ने इसी कारण आरोप लगाय है कि वैभव के बल्ले में एक एक आई चिप लगी हुई है ।

ऋषभ बोले मुझे और टीम को ब्रेक की जरुरत

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम लगातार मिली हार के बाद अंतिम स्थान पर है। टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी प्रदर्शन की बात की जाये तो फ्लाप रहे हैं। वह न तो बल्लेबाज के तौर पर रन बना पाये हैं और न ही कप्तान के तौर पर उनकी रणनीति सफल रही है। ऐसे में अब वह दबाव के बीच ही तरोताजा होने के लिए ब्रेक मांग रहे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली हार के बाद ऋषभ ने स्वीकार किया है कि उन्हें और उनकी टीम को तरोताजा होने के लिए एक ब्रेक की जरुरत है।

रॉयल निमाड़ ईगल्स महिला टीम के लिए भोपाल में क्रिकेट ट्रायल्स आयोजित

प्रदेशभर से 50 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 के अंतर्गत आईसेक्ट समूह की महिला क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' के लिए चयन ट्रायल्स का आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। ट्रायल्स के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण प्राप्त हुए, जिनमें मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई लगभग 50 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस ट्रायल में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने बैटिंग, बॉलिंग, फील्डिंग एवं विकेटकीपिंग में अपनी क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयन समिति द्वारा खिलाड़ियों के प्रदर्शन का गहन मूल्यांकन किया गया, जिसमें उनकी तकनीकी दक्षता, फिटनेस, खेल की समझ एवं प्रतिस्पर्धी भावना जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को परखा गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी (कार्यकारी उपाध्यक्ष,AISECT India), डॉ. अदिति चतुर्वेदी वात्स (प्रो-चांसलर,

RNTU), डॉ. सीतेश कुमार सिन्हा (कुलसचिव, SGS), सुश्री शुभ्रा गोयल (ऑब्जर्वर, मध्य प्रदेश लीग), सुश्री भावना श्रीवास्तव (कोच, रॉयल निमाड़ ईगल्स), संजय पांडे (हेड कोच, रॉयल निमाड़ ईगल्स) एवं जी. सतीश कुमार (डायरेक्टर क्रिकेट, रॉयल निमाड़ ईगल्स) उपस्थित रहे।

अतिथियों ने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे ट्रायल्स प्रदेश की बेटियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल से महिला क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग में पिछले वर्ष प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर के रूप में सहभागिता निभाने के बाद आईसेक्ट समूह ने इस वर्ष टीम स्वामित्व के साथ खेल विकास की दिशा में नई पहल की है। 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' महिला टीम का उद्देश्य प्रदेशभर से उभरती महिला क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें पेशेवर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं प्रतिस्पर्धात्मक अवसर प्रदान करना है।

खेल के माध्यम से युवतियों में आत्मविश्वास

आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि ये ट्रायल्स केवल चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि महिला खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम की शुरुआत हैं। उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से युवतियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व और अनुशासन का विकास होता है तथा इस पहल के माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

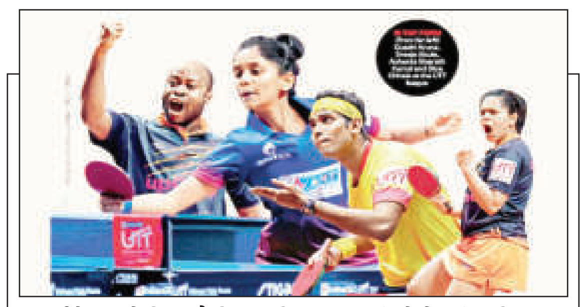

वर्ल्ड टेबल टेनिस चैंपियनशिप : 64 टीमों के बीच खिताब की जंग, ग्रुप टॉप करना भारत के लिए अनिवार्य

पुणे/लंदन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ की स्थापना के सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में लंदन में आयोजित होने वाली 2026 वर्ल्ड टीम चैंपियनशिप का मंच सज चुका है। 28 अप्रैल से 10 मई तक चलने वाले इस महाकुंभ में दुनिया भर की नजरें लंदन पर टिकी हैं। यह ऐतिहासिक आयोजन कॉपर बॉक्स एरिना और ओवीओ एरिना वेम्बली में होगा, जहाँ 64 पुरुष और 64 महिला टीमें प्रतिष्ठित स्वेथलिंग और कॉर्बिलोन कप के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगी। भारतीय टीमें इस टूर्नामेंट में एक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारतीय खेमे में इस बार एक परिचित उत्साह के साथ-साथ एक अनिश्चितता भी है, क्योंकि यह पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा है जिसमें महान पैडलर अचंत शरद कमल टीम का हिस्सा नहीं हैं। ग्रुप-7 में शामिल भारतीय पुरुष टीम को अपने ग्रुप में प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टीम में मानव ठक्कर (विश्व रैंकिंग 38), जी. साथियान (42), मानुष शाह (51), हरमीत देसाई (80) और पायस जैन (127) शामिल हैं। कागजों पर भारतीय टीम स्लोवाकिया, ट्यूनीशिया और ग्वाटेमाला के खिलाफ काफी मजबूत नजर आ रही है। विशेषकर स्लोवाकिया के लुबोमिर पिस्टेज और यांग वांग के सामने भारतीय खिलाड़ियों का पलड़ा भारी है। हालांकि, कड़े मुकाबलों के दौरान जब स्कोरलाइन 2-2 पर आकर टिक जाती है, तब शरद कमल के अनुभव की कमी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। अब टीम की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे दबाव में अपना मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखते हैं।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स में मुकाबला

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

आईपीएल में यहां मंगलवार को पंजाब किंग्स की टीम का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का लक्ष्य अपनी घरेलू मैदान में जीत के सिलसिले को बनाये रखा रहो। पंजाब ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर प्लेऑफ में सबसे पहले जगह बनाना रहेगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर हैं और उसके पास भी वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायस्वाल जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में कप्तान रियान पराग की रॉयल्स को कमजोर नहीं माना जा सकता है।

इस मैच में रॉयल्स को जीतना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रिकी पोंटिंग के मुख्य कोच का पद संभालने और अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स काफी बेहतर हुई है। वह पिछले सत्र में उपविकेजा रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा। इस सत्र में पंजाब शुरु से ही हावी है। श्रेयस ने अच्छी कप्तानी की है पर उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। उसने इस सत्र में दिल्ली

कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन के लक्ष्य भी हासिल कर अपने मजबूत इरादे दिखाये थे।

पंजाब किंग्स की ओर से प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर पावर प्ले में जमकर रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी पर पहले चार मैच जीतने के बाद से टीम उस निरंतरता को बनाये नहीं रखा पायी। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। टीम पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया जिससे भी उसपर दबाव रहेगा। ऐसे में उसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीम इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश और विष्णु विनोद.

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान),शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह और ब्रिजेश शर्मा.

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 17 जबकि पंजाब ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आंकड़ों में पंजाब भारी है।

एशियाड में अब कुछ महीने शेष

तैयारी की जगह खाली बैठे हैं निकहत समेत सभी भारतीय मुक्केबाज!

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों से पहले भारतीय मुक्केबाजों की तैयारी प्रभावित है क्योंकि राष्ट्रीय कैंप अभी तक शुरू नहीं हुआ। निकहत जरीन समेत कई खिलाड़ी बिना कोच और ट्रेनिंग के इंतजार में हैं, जिससे उनके चयन और प्रदर्शन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम के चयन की असेसमेंट (आकलन) प्रक्रिया 11 से 15 मई को एनआईएस पटियाला में होनी है, लेकिन पुरुष और महिला मुक्केबाजों का राष्ट्रीय कैंप अब तक शुरू नहीं हुआ है। यह अहम कैंप 25 अप्रैल से एनआईएस पटियाला में शुरू होना था, लेकिन अब तक इसके लिए साई की मंजूरी नहीं मिली है।

कैंप शुरू नहीं होने से बॉक्सरों में रोष है। दो बार की विश्व चैंपियन और ग्लास्गो में 51 किलो में अपने राष्ट्रमंडल स्वर्ण की रक्षा के लिए बेकरार निकहत जरीन कहती हैं कि कैंप नहीं लगने से उनका बहुत नुकसान हो रहा है। वह अपने गृह नगर हैदराबाद में हैं और यहां न कोई

ट्रेनिंग सेंटर है और न ही उनके पास कोच है जिसके चलते वह खाली हैं।

अगर कैंप लगता तो वह फिटनेस पर काम शुरू कर राष्ट्रमंडल-एशियाई खेलों की टीम में चयनित होने की तैयारियां शुरू कर देतीं। हांगझोउ एशियाई खेलों की पदक विजेता निकहत कहती हैं कि कैंप में जितनी देर होगी उतना उनका और अन्य बॉक्सरों का नुकसान होगा।

निकहत अमर उजाला से कहती हैं कि 11 अप्रैल को समाप्त एशियाई चैंपियनशिप के बाद सभी बॉक्सरों को 12 दिन का आराम मिला था। 25 अप्रैल से सभी को असेसमेंट की तैयारियां करनी थीं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने असेसमेंट के जरिये ही दोनों खेलों के लिए टीम चुननी है।

इसमें फिटनेस टेस्ट होंगे, साथी मुक्केबाजों के साथ बाउट देखी जाएगी। संपूर्ण आकलन के बाद टीम चयनित होनी है। वह सोच रही थीं कि 24 को पटियाला पहुंच जाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। निकहत कहती हैं कि कैंप में स्पारिंग पार्टनर होते हैं जिसका फायदा मिलता है।

व्यापार समाचार

वरुण बेवरेजेज का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा बढ़कर 879 करोड़

नई दिल्ली। खाद्य एवं पेय कंपनी पेप्सीको की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी बॉटलर वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) का जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में मुनाफा 20.14 फीसदी बढ़कर 878.71 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दोहरे अंक की मात्रा वृद्धि से समर्थित रही। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 में 731.35 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय सालाना आधार पर 18.33 फीसदी बढ़कर 6,721.53 करोड़ रुपये हो गई। इस तिमाही के दौरान बिक्री मात्रा 16.3 फीसदी बढ़कर 36.34 करोड़ केस हो गई जो 2025 की इसी तिमाही में 31.24 करोड़ केस थी।

एलएंडटी फाइनेंस ने दर्ज किया 3,003 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा

मुंबई। देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एलएंडटी फाइनेंस ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का समेकित मुनाफा सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,003 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में भी कंपनी का लाभ 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 807 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय परिणामों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी द्वारा दिया गया खुदरा ऋण 26 फीसदी बढ़कर 1,19,508 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। चौथी तिमाही में खुदरा वितरण वार्षिक आधार पर 62 प्रतिशत बढ़कर 24,107 करोड़ रुपये रहा, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक वितरण है।

पेटीएम को नए अवसर, बर्नस्टीन का भरोसा बरकरार

नई दिल्ली। वैश्विक ब्रोकरेज बर्नस्टीन ने पेटीएम पर अपना भरोसा दोहराते हुए कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) से जुड़े हालिया नियामकीय घटनाक्रम का पेटीएम के कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे नए अवसर खुल सकते हैं। ब्रोकरेज ने 1,500 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ आउटपरफॉर्म रेटिंग बरकरार रखी है, जो करीब 31 प्रतिशत की संभावित बढ़त का संकेत देता है। बर्नस्टीन ने कहा कि नियामक द्वारा पेमेंट्स बैंक लाइसेंस पर कार्रवाई एक क्रमिक घटनाक्रम है। पेटीएम ने 2024 की शुरुआत में नियामकीय कार्रवाई के बाद ही पेमेंट्स बैंक और मूल कंपनी के बीच स्पष्ट अलगाव स्थापित कर लिया था। ब्रोकरेज के अनुसार, पीपीबीएल का संचालन एक वर्ष से अधिक समय से निलंबित होने के कारण पेटीएम के आंकड़ों पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है।

अन्तर्राष्ट्रीय मेले 'फोयर डे पेरिस' में होगी प्रदर्शित

मप्र की बाग प्रिंट कला को पेरिस में मिलेगा वैश्विक मंच

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कला को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये निरंतर प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश की विशिष्ट 'बाग प्रिंट' कला को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मेले ' 'फ़ोयर डे पेरिस' में प्रदर्शित किया जायेगा। यह मेला 30 अप्रैल से 11 मई 2026 तक पेरिस के पोर्टे डे वर्साय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा देशभर से चयनित पांच श्रेष्ठ शिल्पकारों में प्रदेश के नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री को शामिल किया गया है। वे इस मेले में प्रदेश की 'बाग प्रिंट' कला का प्रतिनिधित्व करते हुए मास्टर क्राफ्ट्समैन के रूप में शामिल होंगे। 'बाग प्रिंट' हस्तशिल्प भौगोलिक संकेत (त्ड्ढ) के अंतर्गत संरक्षित है।

लाइव डेमोंस्ट्रेशन से रूबरू होंगे दर्शक: इस अन्तर्राष्ट्रीय मेले में बिलाल खत्री 'बाग प्रिंट' कला का लाइव प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक प्राकृतिक रंगों, नक्काशीदार लकड़ी के ब्लॉक्स और हस्तनिर्मित तकनीकों के माध्यम से कपड़ों पर उभरती कलाकृतियों को अन्तर्राष्ट्रीय दर्शक प्रत्यक्ष देख सकेंगे। यह भारतीय हस्तशिल्प की गहराई और सौंदर्य को समझने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समावेश: इस विशेष प्रदर्शनी के लिए तैयार किए गए डिज़ाइन में भारतीय पारंपरिक शिल्प और आधुनिक वैश्विक सौंदर्यबोध का समन्वय किया गया है। यूरोपीय बाज़ार की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई ये कृतियां 'बाग प्रिंट' को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देंगी।

इस शिल्प में सूती और रेशमी कपड़ों को पारंपरिक प्राकृतिक प्रक्रियाओं से तैयार किया जाता है। लोहे के संक्षारण, धवाड़ी फूल और मायरोबालन के मिश्रण के साथ-साथ फिटकरी और एलिज़ारिन का उपयोग किया जाता है। कुशल कारीगरों द्वारा लकड़ी के ब्लॉक्स से डिज़ाइन तैयार कर उन्हें हाथ से भरा जाता है। तैयार वस्त्रों को बहते पानी में धोकर धूप में सुखाया जाता है, जिससे उन्हें विशिष्ट फिनिश प्राप्त होती है। 'बाग प्रिंट' में लाल और काले रंग के ज्यामितीय एवं पुष्पीय रूपांकन प्रमुख होते हैं।

बाग प्रिंट' की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि

'बाग प्रिंट' मध्यप्रदेश के धार जिले के बाग क्षेत्र की पारंपरिक हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग कला है। बाग एक छोटा जनजातीय कस्बा है, जहां भील और भिलाला समुदाय निवास करते हैं और प्राचीन बाघ गुफाएं भी स्थित हैं। इस कला की परंपरा खत्री समुदाय द्वारा लगभग 400 वर्ष पूर्व सिंध के लरकाना क्षेत्र से आकर स्थापित की गई मानी जाती है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2031 तक अरबपतियों की संख्या बढ़कर 313 हो जाएगी

भारत में दुनिया के तीसरे सबसे अधिक अरबपति हैं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दुनियाभर में हर 24 घंटे में 89 नए लोग 'सुपर-रिच' क्लब में शामिल हो रहे हैं। ये सुपर-रिच लोग वे हैं जिनकी संपत्ति 3 करोड़ डॉलर (करीब 282 करोड़ रुपए) से ज्यादा है। बीते पांच साल में ऐसे सुपर रिच की संख्या 162,191 बढ़ी है। नाइट फ्रैंक की वेल्थ रिपोर्ट 2026 के मुताबिक यह 2021 में 5.51.435 थी. जो 2026 तक बढ़कर 7,13,626 हो गई।

भारत में भी यह तस्वीर उत्साहजनक है। यहां ऐसे बड़े अमीरों की संख्या 2021 में करीब 12,000 से बढ़कर 2026 में 19,877 हो गई, जो 63% की बढ़त है। 2031 तक यह संख्या 27% और बढ़कर 25,217 तक पहुंचने का अनुमान है। 207 अरबपतियों के साथ भारत फिलहाल तीसरे स्थान पर है। अनुमान है कि 2031 तक देश में अरबपति 51% बढ़कर 313 हो जाएंगे। हालांकि ग्लोबल अल्ट्रा-वेल्थ में भारत की हिस्सेदारी अभी मात्र 2.8% है, लेकिन इसकी रफ्तार लगातार बढ़ रही है।

अब पछतावे का होत जब..खाना-पेट्रोल से बिजली तक सब हुई महंगी

डोनाल्ड ट्रंप को वोट देकर पछता रहे अमेरिकी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका में महंगाई ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। किराना, पेट्रोल, बिजली और रोजमर्रा के खर्च तेजी से बढ़ने से परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। कई लोगों ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप से राहत की उम्मीद थी, लेकिन नए टैरिफ और पश्चिम एशिया तनाव के कारण हालात और खराब हो गए। सरकारी आंकड़ों में भी ऊर्जा कीमतों और पेट्रोल के दामों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत, इस कहावत को अमेरिकी महसूस कर रहे हैं। वहां आम लोगों पर महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। किराना सामान, पेट्रोल, बिजली और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी ने लाखों परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है।

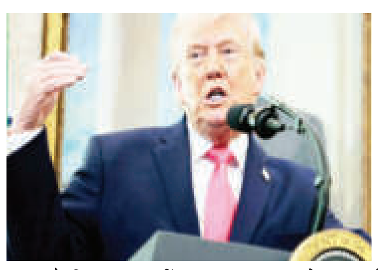

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि नए अमेरिकी टैरिफ और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल ने हालात और मुश्किल बना दिए हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, जब अमेरिकी परिवार आर्थिक राहत महसूस करने लगे थे, तभी बढ़ती कीमतों ने उनकी मुश्किलें फिर बढ़ा दीं। इसका असर उपभोक्ता खर्च और आर्थिक विकास दोनों पर पड़ सकता है।

मैं खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हूं: कैलिफोर्निया के बरबैंक की रहने वाली 66 वर्षीय बुजुर्ग महिला कैटी पेर्रे ने कहा कि वह न्यूनतम वेतन पर सफाई कर्मचारी के रूप में काम करती हैं और अपने ऑटिस्टिक पोते की देखभाल भी करती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने डोनाल्ड ट्रंप को वोट दिया था क्योंकि उन्होंने हालात बेहतर करने का वादा किया था, लेकिन अब मैं खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हूं। कैटी के अनुसार, पहले उनका मासिक खर्च लगभग 2,300 डॉलर था, जबकि उनकी आय 2,400 डॉलर थी। अब खर्च बढ़कर 2,500 डॉलर से ऊपर पहुंच गया है और गुजारा मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि परिवार और दोस्तों से जितना उधार मिल सकता था, ले चुकी हैं, लेकिन अब भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

ईंधन और खाने का खर्च बढ़ा: क्रिश्चियन डेविटो नाम के 34 वर्षीय

प्ररूप-ग्यारह
(नियम 9 देखिए)
मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता (भू-राजस्व की उगाही) नियम, 2020
न्यायालय तहसीलदार, तहसील गौहरगंज, जिला रायसेन (म.प्र.)
प्रकरण क्रमांक 0017/अ-16/2024-25
स्थावर संपत्ति के विक्रय की उद्घोषणा
(मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 147 (1) (ग) के अधीन)

क्योंकि नीचे वर्णित स्थावर संपत्ति, श्री वसीम पटेल बिल्डकॉन इण्डिया प्रा.लि. पता: प्लाट 317-बी, सी-21 मॉल होशंगाबाद रोड भोपाल, सेकण्ड फ्लोर, प्लॉट नम्बर 44, जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल, पर भू-राजस्व (रेरा वसूली) लेखे में रुपए 2,15,33,965/- (दो करोड़, पंद्रह लाख, तेतीस हजार, नौ सौ पैंसठ) + ब्याज (गणना पत्र के अनुसार राशि अदा करने की तिथि तक ब्याज सहित) तथा आदेशिका जारी करने तथा उसके प्रवर्तन के खर्चे के लेखे देय रुपए 600/-. देय है, की वसूली हेतु अनावेदक की भूमि कुर्क की गई है।

एतद्द्वारा उदघोषणा की जाती है कि यदि इसमें विक्रय के लिए नियत दिनांक से पूर्व उपरोक्त संपूर्ण राशि का भुगतान आवेदकगण श्री योगेश शर्मा, श्री रोहित शाण्डिल्य, श्रीमती चन्द्रकांता चौबे, श्री रोहित शाण्डिल्य, श्री ममता शाण्डिल्य, श्री रितु शाण्डिल्य, श्री अरूण कुमार शर्मा, श्री योगेश शर्मा, श्री लोकेश शर्मा, श्री चंद्रकांता चौबे, श्रीमती चंद्रमुखी शर्मा को नहीं कर दिया जाता है तो निम्न संपत्ति का विक्रय, स्थान **न्यायालय तहसीलदार गौहरगंज जिला रायसेन के सभाकक्ष में दिनांक 6 मई 2026 को दोपहर 1:00 बजे** या उसके लगभग सार्वजनिक नीलामी द्वारा कर दिया जाएगा।

विक्रय का विस्तार केवल निम्न संपत्ति में उक्त बकायादार के अधिकारों, हकों तथा हितों तक सीमित होगा।

संपत्ति के ब्यौरे

क्रमांक	विवरण		भूमि का बाजार मूल्य वर्ष 2026-27 के अनुसार नीलाम की न्यूनतम राशि	वसूली हेतु राशि
(1)	(2) विक्रय हेतु सम्पत्ति		(3)	(4)
1	तहसील गौहरगंज स्थित ग्राम मेन्दुआ खसरा क्रमांक 5/2, 6, 7/4, 25/2, 26 रकवा क्रमशः : 0.235, 0.162, 1.385, 1.214, 1.311 कुल किता रकवा 5 4.307 हेक्टेयर भूमि पर स्थित गोल्डन पार्क के प्लाट क्रमांक	दुकान क्र 03 क्षेत्रफल 300 वर्गफिट दुकान क्र 07 क्षेत्रफल 300 वर्गफिट दुकान क्र 08 क्षेत्रफल 300 वर्गफिट दुकान क्र 06 क्षेत्रफल 300 वर्गफिट बी-70 क्षेत्रफल 1250 वर्गफिट बी-71 क्षेत्रफल 1250 वर्गफिट एफ -2 क्षेत्रफल 700 वर्गफिट एफ -8 क्षेत्रफल 700 वर्गफिट ई-15 क्षेत्रफल 1000 वर्गफिट	1,003,717/- रूपये 1,003,717/- रूपये 1,003,717/- रूपये 1,003,717/- रूपये 9,29,368/- रूपये 9,29,368/- रूपये 520,446/- रूपये 520,446/- रूपये 743,494/- रूपये	रुपए 2,15,33,965/- (दो करोड़, पंद्रह लाख, तेतीस हजार, नौ सौ पैंसठ) + ब्याज (गणना पत्र के अनुसार राशि अदा करने की तिथि तक ब्याज सहित) तथा आदेशिका जारी करने तथा उसके प्रवर्तन के खर्चे के लेखे देय रुपए 600/-.
2	तहसील गौहरगंज स्थित ग्राम कीरतनगर खसरा क्रमांक 37/1, 38, 42/253, 43, रकवा क्रमशः 1.214, 0.737, 5.593, 2.023 कुल 4 किता रकवा 9.567 हेक्टेयर भूमि पर स्थित गुलमोहर पार्क के प्लाट क्र	डी-17 क्षेत्रफल 2100 वर्गफिट बी-24 क्षेत्रफल 1500 वर्गफिट बी-14 क्षेत्रफल 1500 वर्गफिट एफ-10 क्षेत्रफल 800 वर्गफिट एफ-88 क्षेत्रफल 800 वर्गफिट ई-75 क्षेत्रफल 1000 वर्गफिट ई-76 क्षेत्रफल 1000 वर्गफिट बी-48 क्षेत्रफल 1800 वर्गफिट सी-30 क्षेत्रफल 1500 वर्गफिट ई-115 क्षेत्रफल 1000 वर्गफिट	975,836/- रूपये 697,026/- रूपये 697,026/- रूपये 371,747/- रूपये 371,747/- रूपये 464,684/- रूपये 464,684/- रूपये 836,431/- रूपये 697,026/- रूपये 464,684/- रूपये	

मुद्रा: ________
तारीख: 21/04/2026
G12085/26
तहसीलदार
तहसील गौहरगंज

कलेक्टर ने गैरतगंज के उपार्जन केन्द्र आर्दश वेयरहाउस का किया निरीक्षण

रायसेन। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सोमवार को गैरतगंज के उपार्जन केंद्र आदर्श वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपार्जन प्रक्रिया, तुलाई कार्य, उपज की गुणवत्ता सहित व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उपस्थित अधिकारियों तथा केन्द्र प्रभारी से अभी तक उपार्जित उपज की मात्रा, बारदाने की उपलब्धता, किसानों को राशि भुगतान आदि की जानकारी लेते हुए उपार्जन नीति के अनुरूप उपार्जन कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा किसानों से भी चर्चा कर उपार्जन कार्य और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान सहकारिता, कृषि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

8वीं तक स्कूल 30 अप्रैल तक बंद, मौसम बदलने से अनाज भीगने का डर

3 साल का रिकॉर्ड टूटा, 43.6 डिग्री तापमान

रायसेन ■ निसं

अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। इस पारे ने अप्रैल माह में पिछले तीन सालों की गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने नर्सरी से 8वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए 30 अप्रैल तक की छुट्टियां घोषित कर दी हैं।

दिनभर की तपन के बाद देर शाम मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई, जिससे खरीदी केंद्रों पर खुले में रखे हजारों क्विंटल अनाज के भीगने का खतरा मंडराने लगा है।

सोमवार सुबह से ही तेज धूप खिली है और मौसम विभाग ने आज भी लू चलने के साथ बारिश का अनुमान जताया है।

अप्रैल में 3 साल बाद ऐसी गर्मी, शाम को हुई बूंदाबांदी: रविवार को 43.6 डिग्री तापमान के साथ लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। इससे पहले अप्रैल के महीने में तीन साल पहले इतनी गर्मी पड़ी थी। हालांकि, दिनभर की तपन के बाद देर शाम को मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ जिले के कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन सोमवार सुबह से फिर तेज धूप का सामना करना पड़ रहा है।

लू का अलर्ट, 8वीं तक के बच्चों की 30 अप्रैल तक छुट्टी: भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने बच्चों के स्वास्थ्य के मद्देनजर नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के स्कूलों में 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित कर दिया है। वहीं, मौसम विभाग ने सोमवार को भी लू चलने, तापमान में और बढ़ोतरी होने तथा गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना जताई है।

मौसम बदलने से डरे किसान, खुले में रखा है हजारों क्विंटल अनाज: मौसम के इस बार-बार बदलते मिजाज ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। तेज हवाएं चलने और आसमान में बादल छाने से किसानों को नुकसान का डर सता रहा है। दरअसल, जिले के खरीदी केंद्रों के बाहर अभी भी हजारों क्विंटल अनाज खुले में पड़ा हुआ है।

हाई वोल्टेज से उपकरण जले, कई घरों में नुकसान, रातभर बिजली गुल रहने से लोग परेशान

विदिशा, निप्र। विदिशा के गल्ला मंडी इलाके में रविवार देर रात अचानक बिजली का वोल्टेज बढ़ गया, जिससे कई घरों में लगे विद्युत उपकरण जल गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में रातभर बिजली गुल रही, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया गया कि रात करीब 11 बजे वोल्टेज इतना बढ़ गया कि एलईडी बल्ब फूट गए और कूलर, पंखे, फ्रिज जैसे कई घरेलू उपकरण खराब हो गए। इस अप्रत्याशित घटना ने विद्युत वितरण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासी मानव जैन ने बताया कि उनके घर में अचानक वोल्टेज बढ़ने से एलईडी बल्ब फट गया और कूलर, पंखा तथा फ्रिज जल गए। उन्होंने कई बार विद्युत विभाग में कॉल किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। भीषण गर्मी और मच्छरों के कारण उन्हें रात छत पर गुजारनी पड़ी। एक अन्य निवासी रोहित ने बताया कि इस लापरवाही के कारण उनका फ्रिज और पंखा खराब हो गया। उन्होंने शिकायत की कि शहर में रहने के बावजूद बिजली की स्थिति ग्रामीण इलाकों जैसी है, जहां बार-बार बिजली गुल होना आम बात है। अरिहंत विहार फीडर में अक्सर खराबी आती रहती है, लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती। मोहल्ले के अन्य लोगों ने भी दिनभर बिजली की आंख-मिचौली की शिकायत की और बताया कि रविवार रात को स्थिति और बिगड़ गई। कई घरों में भारी आर्थिक नुकसान हुआ और लोग पूरी रात बिजली आने का इंतजार करते रहे। विद्युत वितरण कंपनी की ओर से न तो समय पर सुधार किया गया और न ही उपभोक्ताओं को कोई सूचना दी गई। करीब सुबह 4 बजे बिजली बहाल हुई, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। उपभोक्ताओं ने विद्युत वितरण कंपनी से हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की है। इस संबंध में विद्युत वितरण कंपनी के अरविंद वर्मा ने बताया कि समस्या के कारण की जांच की जाएगी ताकि भविष्य में उपभोक्ताओं को ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

थाना कोतवाली क्षेत्र में मजाक बनी 112 पुलिस वाहन सेवा

एसडीओपी, थाना प्रभारी को अवगत कराने के बाद भी घटनास्थल पर नहीं पहुंच पाता पुलिस का 112 वाहन

रायसेन ■ निसं

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आम जनता के लिए तुरंत पुलिस सेवा का लाभ मिले और क्षेत्र में अपराधी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके इस प्रकार की त्वरित कार्रवाई के लिए सरकार द्वारा 112 पुलिस वाहन सेवा शुरू की गई है ताकि घटनास्थल तक समय पर वहां पहुंच सके परंतु रायसेन अनुविभागीय एवं थाना कोतवाली क्षेत्र में 112 पुलिस वाहन सेवा मजाक बनकर रह गई है। इसका जीता जागता उदाहरण इस प्रतिनिधि को सोमवार को देखने को मिला जब एक अपराधी द्वारा गांव में उत्पाद मचा कर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया इसके बावजूद 112 पुलिस वाहन सेवा नहीं पहुंच पाई जिससे अपराधियों के और ज्यादा हौसले बुलंद हो रहे हैं और पुलिस महकमा की कार्य प्रणाली पर जनता के लोगों में विश्वास कम हो रहा है। जबकि इस प्रतिनिधि द्वारा 112 पुलिस वाहन सेवा गांव तक भेजने के लिए पुलिस अनु विभाग अधिकारी से लेकर कोतवाली थाना प्रभारी को भी बार-बार फोन कर अवगत कराया इसके बावजूद भी अपराधी

को पकड़ने के लिए 112 पुलिस वाहन मौके पर नहीं पहुंचा और ना ही थाना कोतवाली से कोई पुलिस कर्मी ही गांव तक पहुंच पाए यहां इस बात का प्रश्न उठता है कि एक और सरकार द्वारा क्षेत्र में अपराधों में कमी करने और असमाजिक अपराधियों एवं झगड़ा करने वाले लोगों पर त्यौरित कार्रवाई हो इसके लिए 112 पुलिस वाहन सेवा शुरू की गई परंतु थाना कोतवाली क्षेत्र में पुलिस का 112 वाहन सूचना के बाद भी नहीं पहुंच पाते इससे आम जनता के लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है इतना ही नहीं थाना कोतवाली में आने वाले फरियादियों द्वारा अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज करा भी दिया जाता है तो फिर उस अपराधी को पकड़ने के लिए पुलिस नहीं पहुंच पाती जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। बतादे कि मामला दर्ज करने भर से समस्या का हल नहीं हो जाता क्योंकि अपराधी नहीं पकड़े जाने से और अपराध कर रहे हैं परंतु उन्हें पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाती इस दिशा में फरियादियों का विश्वास टूट रहा है । आखिरकार इस तरह से कब तक चलता रहेगा ऐसे तो पुलिस की लापरवाही से क्षेत्र में कोई बड़ी घटना भी घटित हो सकती है। पुलिस कोतवाली में आने वाले ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने बताया कि हम कई बार 112 पुलिस वाहन सेवा के लिए फोन लगाते हैं तो वहां वाहन समय पर नहीं पहुंचता और न ही मौके पर तुरंत पुलिस पहुंच पाती जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस इससे अनजान बनी हुई तमाशा देख रही है। आम जनता के लोगों ने जिले के तेजतर्रार कार्य शैली के धनी जिला पुलिस कप्तान आशुतोष गुप्ता से मांग की है कि वह इस दिशा में ठोस कदम उठाते हुए क्षेत्र में अपराधियों पर करवाई करवाए और उन्हें गिरफ्तार कर दंडित करें। कई मामले निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक तक नहीं पहुंच पाते इस कारण ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। नागरिकों ने इस ओर पुलिस अधीक्षक श्री गुप्ता का ध्यान आकर्षित कराते हुए अपराध करने वाले अपराधियों जल्द गिरफ्तार करने और 112 पुलिस वाहन सेवा में सुधार लाने की मांग की है ताकि शासन की इस 112 पुलिस वाहन सेवा का जनता के लोगों को तुरंत लाभ मिल सके।

शक्ति संकुल गोदाम धामनोद का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विदिशा। ग्यारसपुर अनुभाग की एसडीएम श्रीमती शशि मिश्रा द्वारा आज शक्ति संकुल गोदाम धामनोद का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोदाम में रखे गए अनाज के भंडारण, गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। एसडीएम श्रीमती मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोदाम में रखे गए खाद्यान्न का उचित संरक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी प्रकार की क्षति या खराबी न हो। उन्होंने भंडारण व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने, नियमित निगरानी करने एवं रिकॉर्ड संधारण में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान गोदाम परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साथ ही, उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के तहत प्राप्त सामग्री का सही तरीके से वितरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

रायसेन समेत पूरे मध्यप्रदेश के खाद बीज दवा विक्रेताओं की दुकानें रही बंद

रायसेन ■ निसं

ए आई डी ए एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन जो पूरे भारत के कृषि आदान विक्रेताओं का एक रजिस्टर्ड संगठन है जिसके पूरे भारत में लगभग 5 लाख सदस्य हैं। जिला रायसेन के अध्यक्ष प्रणीत जैन समैया ने बताया कि सोमवार को समस्त रायसेन जिले के साथ ही संपूर्ण मध्यप्रदेश में कृषि आदान विक्रेता बंधु इकट्ठे हुए और प्रधानमंत्री मोदी के नाम अपनी महत्वपूर्ण मांगों का ज्ञापन समस्त जिलाधिकारी अरुण विश्वकर्मा को दिया गया। इस दौरान पूरे रायसेन जिले में भी एक दिवसीय सांकेतिक बंद रखा गया जो पूर्णत: सफल रहा और जिले के प्रत्येक ब्लॉक और तहसील स्तर पर ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर जिले भर के कीटनाशक विक्रेता मौजूद रहे।

पांच सेकंड में तोड़ा लॉक, बाइक चोरी

घर के बाहर खड़ी स्प्लेंडर चुराकर भाग रहा था, लोगों ने पकड़कर पीटा

रायसेन ■ निसं

रायसेन शहर में बाइक चोरी करते हुए एक युवक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। वार्ड नंबर 13 में दशरथ कुशवाहा की स्प्लेंडर बाइक चोरी हुई थी। स्थानीय लोगों ने युवक को बाइक सहित कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इस घटना का वीडियो आज सामने आया है।

यह घटना रविवार दोपहर की है। दशरथ कुशवाहा की स्प्लेंडर बाइक उनके घर के बाहर खड़ी थी। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक पहले आता है, बाइक पर बैठता है और किसी अन्य चाबी का उपयोग करके बाइक स्टार्ट कर ले जाता हुआ दिखाई देता है।

कुछ ही दूरी पर पकड़ाए चोर: जब घरवालों और पड़ोसियों ने घर के सामने बाइक नहीं देखी, तो उन्होंने सीसीटीवी कैमरे चेक किए। फुटेज देखने के बाद उन्होंने वार्ड वासियों को सूचना दी। वार्ड वासियों ने सक्रियता दिखाते हुए युवक को बाइक सहित कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया और उसकी पिटाई भी की।

इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची थाना कोतवाली पुलिस युवक को थाने ले गई। थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने बताया कि आरोपी की पहचान पठारी निवासी सोनू बेदी के रूप में हुई है। सोनू बेदी बाइक चोरी करते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था।

पुलिस ने आरोपी सोनू बेदी के खिलाफ चोरी सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। घटना का वीडियो सोमवार को सामने आया।

मांगें पूरी न होने पर दिल्ली में अनशन की चेतावनी, कहा-27 जुलाई को होगा आंदोलन

गौ संरक्षण की मांग पर संतों का अल्टीमेटम

विदिशा ■ निसं

विदिशा में गौ संरक्षण की मांग को लेकर संत-महंतों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। हिंद प्रहरी और सनातन संघ सहित विभिन्न हिंदूवादी संगठनों के संतों ने देशभर में गायों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

संतों ने जानकारी दी कि यह अभियान देशव्यापी स्तर पर चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में देश के सभी तहसील मुख्यालयों पर एक साथ ज्ञापन सौंपे गए हैं। संत समाज ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन 2027 तक जारी रहेगा।

बटुक महाराज ने कहा कि उनका उद्देश्य भारत भूमि को गोवध के कलंक से मुक्त कराना है। उन्होंने चेतावनी दी कि

यदि तीन महीने के भीतर मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो 27 जुलाई को जिला मुख्यालयों पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इसके बाद भी समाधान न होने पर देशभर के संत दिल्ली में आमरण अनशन करेंगे।

गौ माता को 'राज्य माता' का दर्जा दिया जाए: राष्ट्रीय संत विपिन बिहारी जी ने गौ माता को 'राज्य माता' का दर्जा देने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक परिवार में गाय पालन को बढ़ावा देने के लिए इसे सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, गायों को आधार से लिंक कर नियमित सत्यापन की व्यवस्था लागू करने की बात भी कही।

सराफा व्यापारी से लूट का खुलासा

4 गिरफ्तार, 18 लाख का माल बरामद

विदिशा ■ निसं

विदिशा के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र में 8 अप्रैल को सराफा व्यापारी से हुई लूट की वारदात का पुलिस ने 19 दिनों में खुलासा कर दिया है। '360ए डिग्री दृष्टि अभियान' के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 18 लाख रुपए का लूटा गया माल बरामद किया है। हालांकि, दो आरोपी अभी भी फरार हैं।

ग्राम बांसादेही निवासी सराफा व्यापारी मनोज कुमार सोनी 8 अप्रैल की शाम दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम गुंजारी के पास पुलिया पर घात लगाए बैठे बदमाशों ने उनकी गाड़ी रोककर डंडों से हमला किया और सोने-चांदी से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देश पर पांच विशेष टीमों का गठन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे और एसडीओपी शिखा भल्लावी के मार्गदर्शन में अभियान चलाया गया।

165 सीसीटीवी और साइबर टीम की मदद से खुला राज: पुलिस ने 165 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और 100 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की। साइबर टीम की मदद से तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। पुलिस ने शिवा उर्फ भावसिंह कुर्मी, अजय यादव, जगदीश उर्फ हल्ले कुर्मी और रणवीर उर्फ भगोले बुन्देला को गिरफ्तार किया है, जबकि इन्दु राजा और सुमित यादव फरार हैं।

गिरफ्तार आरोपियों से एक स्कॉर्पियो, एक ब्रेंजा कार, 2 किलो चांदी, 2 तोला सोना, एक पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सुनियोजित तरीके से वारदात करते थे और मोबाइल का उपयोग नहीं करते थे।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाईन और शासकीय कार्यो की समीक्षा

सभी एसडीएम, जनपद सीईओ और सीएमओ क्षेत्र में भ्रमण कर स्वगणना के कार्यो को गंभीरता के साथ पूर्ण कराएं: कलेक्टर

रायसेन ■ निसं

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा गेंहू उपार्जन, स्लॉट बुकिंग, पंजीयन, खरीदी, बारदाने, जनगणना-2027 स्वगणना, सीएम हेल्पलाईन, विभागीय गतिविधियों, समय सीमा वाले पत्रों, योजनाओं तथा अभियानों की साप्ताहिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ कलेक्टर विश्वकर्मा ने गेहूँ उपार्जन के कार्यो की समीक्षा के दौरान सभी केन्द्रों में स्लॉट बुकिंग, पंजीयन सहित उपज खरीदी की जानकारी ली तथा अगले सात दिन

में जहां बारदाने की आवश्यकता है वहां बारदाने उपलब्ध कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने जनगणना-2027 स्वगणना के कार्य के लिए सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ को अपनी टीम के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने कहा कि चैपाल के माध्यम से नागरिकों से सीधा संवाद कर उन्हें जनगणना का महत्व बताएं और सही जानकारी के साथ ऑनलाइन स्वगणना फॉर्म भरने के लिए प्रेरित करे। बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा द्वारा बरेली तथा गौहरगंज एसडीएम तथा उनकी टीम की जनगणना-2027 स्व-गणना के किए गए कार्यों की सराहना भी की।

बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन निराकरण में रायसेन जिले के पुन: प्रथम स्थान पर रहने पर अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि जो सीएम हेल्पलाईन शेष रह गई है, उनका भी शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत नॉन अटेन्डेन्ट ना रहे। शिकायत प्राप्त होते ही निराकरण की कार्यवाही प्रारंभ की जाए तथा पोर्टल पर जानकारी भी दर्ज कराएं। सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर मनोज उपाध्याय सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ तथा अन्य अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

देवनगर, मुड़ियाखेड़ा तथा गैरतंगज मे स्वगणना कार्य का किया निरीक्षण

कलेक्टर ने जनगणना सेल्फी प्वाइंट पर फोटो क्लिक कराई तथा स्वगणना के लिए नागरिकों को किया प्रेरित

रायसेन ■ निसं

कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा आज देवनगर, मुड़ियाखेड़ा तथा गैरतगंज में जनगणना-2027 स्वगणना कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने एसडीएम, जनपद सीईओ तथा मैदानी अमले से स्वगणना कार्य की जानकारी ली। साथ ही ग्रामीणों के चर्चा कर उन्हें जनगणना का महत्व बताया और जानकारी के साथ ऑनलाइन स्वगणना फॉर्म भरने के लिए प्रेरित भी किया। साथ ही उन्होंने गैरतगंज नगर परिषद द्वारा बनाए गए सेल्फ प्वाइंट का निरीक्षण किया। उन्होंने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो

क्लिक कराई तथा नागरिकों को स्वगणना हेतु प्रेरित भी किया। इस दौरान एसडीएम अंकित जैन तथा जनपद सीईओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य एक मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इसके पूर्व 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना हेतु पोर्टल पर विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस अवधि में नागरिक अपनी स्व-गणना समय रहते पूर्ण कर सकते हैं, जिससे आगामी प्रक्रिया और अधिक सुगम हो सके। इससे नागरिकों को घर, कार्यालय अथवा किसी भी स्थान से मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से सुरक्षित रूप से जानकारी दर्ज करने की सुविधा मिलती है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। : संपादक- डी.पी.गोयल ।मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापक: श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय : 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।)।